卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐जय माता दी卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 46 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦22 नवम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

युवक की हत्या, बोरे में डालकर शव दफनाया

आठ दिन से लापता था टैंपो चालक सुमित, पत्नी सहित पांच संदिग्ध हिरासत में

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पिछले आठ दिनों से लापता रम्पुरा निवासी टैंपो चालक सुमित का शव शुक्रवार को प्रीत बिहार क्षेत्र में कल्याणी नदी के किनारे एक गड्ढे में मिला। जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सुमित की हत्या के बाद शव को बोरे में बंद करके गड्ढे में दफनाया गया था। मामले की सूचना मिलते ही एसपी सिटी मनोज कत्याल,सीओ निहारिका तोमर, कोतवाली प्रभारी मनोज रतूड़ी सहित कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किये। और शव को गड्ढे से बाहर निकाल कर पोस्ट मार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के परिजनों ने सुमित की पत्नी पर हत्या का आरोप लगाया है।

परिजनों का दावा है कि इस घटना में सुमित की पत्नी के साथ अन्य पांच युवक भी शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने आरोपी पत्नी और पांच संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया है और उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार रम्पुरा बस्ती निवासी टेम्पो चालक 24 वर्षीय सुमित श्रीवास्तव किराए के मकान में रहकर ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करता था। गत 14 नवंबर को वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। तब से परिजन उसकी निरन्तर खोजबीन कर रहे थे। इस मामले में रम्पुरा चौकी को भी सूचना दे दी गई थी। लेकिन पुलिस ने शुरूआत में मामले को गंभीरता से नहीं लिया। जिसके बाद परिजनों बुधवार को

एसएसपी कार्यालय पहुंचकर गुहार लगाई थी, लेकिन वहां भी कोई सुनवाई नहीं हुई। गुरूवार को सुमित के परिजनों और बस्ती वासियों ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की अगुवाई में कोतवाली में हंगामा किया था और कोतवाल मनोज रतूड़ी का घेराव कर चेतावनी दी थी कि 24 घंटे में यदि सुमित का सुराग नहीं लगा तो वह आंदोलन करेगा। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और लापता सुमित की खोजबीन तेज की गयी। हिरासत में लिये गये गणेश नाम के संदिग्ध से जब पुलिस ने कड़ी पूछताछ की तो पुलिस कोई अहम सुराग मिल गये जिसके आधार पर शुक्रवार की सुबह सुमित का शव प्रीत बिहार क्षेत्र से बरामद हो गया । गणेश नाम के इसी व्यक्ति पर परिजनों को शुरू से शक था। गणेश ही पुलिस को शव के पास ले गया। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो शव को एक बोरे में बंद करने के बाद गड्ढे में डालकर उपर से नमक और उसके बाद मिट्टी डालकर दफनाया गया था। पुलिस ने गड्ढा खोदकर शव को बाहर निकाला और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की सूचना मिलते ही एसपी सिटी मनोज कत्याल, सीओ निहारिका तोमर, कोतवाली प्रभारी मनोज रतूड़ी भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने मौके पर गहन छानबीन की। उधर सुमित का शव मिलने के बाद उसके परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम हाउस में पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, समाजसेवी संजय ठुकराल ललित बिष्ट सहित बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गये उन्होंने मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल भी खड़े किये। मामले में सुमित के भाई और पिता ने मामले में रम्पुरा चौकी पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने शुरुआत में ही गणेश पर सुमित की हत्या का शक जाहिर किया था, पुलिस चार दिन से उसे हिरासत में लेकर मित्रवत व्यवहार कर रही थी,जब उन्होंने गुरुवार को पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के नेतृत्व में कोतवाली में हंगामा किया और आंदोलन की चेतावनी तब पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। परिजनों का कहना कि पुलिस यदि पहले दिन घटना को गंभीरता से लेती तो शायद सुमित की जान बचाई जा सकती थी। उधर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है।मृतक की पत्नी सहित कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर उनसे सख्त पूछताछ की जा रही है। मामलेका शीघ्र खुलासा कर दिया जाएगा।

तनाव के चलते चौकी में फोर्स तैनात

रूद्रपुर। टैम्पो चालक सुमित श्रीवास्तव की हत्या के बाद रम्पुरा क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। क्षेत्र के लोगों में पुलिस के प्रति भारी रोष व्याप्त है। जिसको देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने रम्पुरा चौकी में पुलिस बल तैनात कर दिया है। साथ ही पुलिस अधिकारी हर स्थिति पर पैनी नजर बनाये हुए हैं। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने रम्पुरा चौकी पहुंचकर क्षेत्र के हालात की समीक्षा की और चौकी के सभी पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। ज्ञात हो कि गत 14 नवम्बर को लापता हुए अमित श्रीवास्तव का शव आज प्रातः प्रीत विहार कालोनी के एक सुनसान इलाके में बोरे में बंद गडढ़े से बरामद किया गया था। जिसके बाद से स्थानीय लोगों में रम्पुरा चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष व्याप्त हो गया। उनका कहना था कि मामले की सूचना देने के बाद भी पुलिस ने तत्परता नहीं दिखाई। यदि पुलिस कर्मी तुरंत गंभीरता से कार्य करती तो सुमित की जान बचाई जा सकती थी। रोषित लोगों ने सम्पूर्ण चौकी कर्मियों को निलम्बित करने की भी मांग भी की है।

प्रेम प्रसंग के चलते हुई हत्या

रूद्रपुर। मूलरूप से मासवासी बहेड़ी निवासी सुमित की हत्या की वजह प्रेम प्रसंग बताई जा रही है। बताया जाता है कि मृतक ने सात साल पहले लव मैरिज की थी। उसका एक पांच साल का बेटा सन्नी है। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। पता चला है कि मृतक की पत्नी का किसी अन्य युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने मृतक की पत्नी सहित पांच को हिरासत में लिया है।उनसे पूछताछ कर रही है। जल्द ही पुलिस पूरे मामले से पर्दा उठा सकती है।

रंगीन मिजाज अफसर महिला कर्मी को भेज रहा फ्लाइंग किस

महिला कर्मचारी, स्टाफ उत्पीड़न से परेशान, बहिष्कार की चेतावनी

सितारगंज। वन विभाग में रंगीन मिजाज वन अफसर पर महिला कर्मचारी को फ्लाइंग किस भेजने और उत्पीड़न का आरोप लगाया गया हैं। महिला कर्मचारी और अन्य स्टाफ ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ मीडिया के सामने सारी करतूत का पर्दाफाश कर मोर्चा खोल दिया है। वन विभाग के महिला पुरुष 15 कर्मचारियों ने ऑडियो क्लिप का हवाला देकर मामले में कारवाई की मांग की है। लेकिन अधिकारी के रसूख के आगे किसी की भी चलती नजर नहीं आ रही हैं। बाराकोली वन रेंज महिला उत्पीड़न और कर्मचारियों के शोषण के मामले को लेकर सुर्खियों में आ गया हैं। शुक्रवार को महिला कर्मचारी और स्टाफ ने मीडिया के सामने वन विभाग के अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए। महिला कर्मचारियों ने आरोप लगाए की अधिकारी उनके साथ गलत भाषा और अमानवीय व्यवहार करता हैं। आरोप लगाया की हद तो तब हो गई जब आरोपी महिला कर्मचारी को फ्लाइंग किस भेजने की बात कर रहा था। महिला कर्मचारियों का आरोप है कि उनके साथ किए अमानवीय व्यवहार की ऑडियो क्लिप भी मौजूद है। 14 सितंबर को वन विभाग के 15 कर्मचारियों ने अधिकारी के खिलाफ गलत भाषा और उत्पीड़न के खिलाफ उच्च अधिकारियों को सूचना भी दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारी कर्मचारियों का वेतन रोकने और उन्हें बीट से हटाने की धमकी भी दे रहा है। शोषित महिला और पुरुष कर्मचारियों ने वन अधिकारी के साथ काम न करने की बात कही हैं। वन क्षेत्र अधिकारी जेसी उप्रेती से इस गंभीर मामले में वार्ता की गई। उन्होंने समस्त आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के बाद सत्यता का पता लगेगा।

प्राइमरी टीचर्स एसो. चुनाव के लिए हुआ मतदान

चार महिला आरक्षित पदों पर निर्विरोध निर्वाचन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराचंल स्टेट प्राईमरी टीचर्स एसोसिएशन ब्लॉक इकाई के लिए आज बीआर सी परिसर में शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हुआ जिसमें कुल 387 शिक्षक मतदाताओं में लगभग 80 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव में महिलाओं के लिए आरक्षित चार पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हो गया। जिसमें उपाध्यक्ष पद पर शालिनी शर्मा, संयुक्त मंत्री पद पर आशा राणा, संगठन मंत्री पद पर कुसुम पाल तथा प्रचार मंत्री पद पर सुमन

चौहान, मीनाक्षी पाठक चुनी गई। इसके अलावा प्रचार मंत्री पद पर रोशन लाल, उमेश बुवारी भी निर्विरोध चुने गये। इससे पूर्व सुनाव पर्यवेक्षक अजय राज सैनी, पंकज कुमार, राजीव कुमार शर्मा व अश्वनी कुमार की देख रेख में प्रातः मतदान प्रारम्भ हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर हुकुम सिंह (शेष पृष्ठ सात पर)

बॉस ने महिला कर्मी से की छेड़छाड़,रिपोर्ट दर्ज

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। ऑफिस में काम करने वाली महिला कर्मी से कंपनी के स्वामी ने न सिर्फ बदसलूकी की बल्कि शारीरिक सम्बंध बनाने से मना करने पर काम से भी निकाल दिया। मामले में महिला कर्मी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डिबडिबा निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कि वह एचटी ओवरसीज के ऑफिस में काम कर रही थी। उसे वहां जॉब करते हुए कुछ ही दिन हुए थे कि एचटी ओवरसीज के स्वामी सुमित जैन ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। उससे कहा कि उसके साथ रिलेशनशिप में आ जाओ मैं तुम्हें रूपया पैसा सब दे सकता है। इस तरह की बातचीत वाट्सएप पर भी की गयी। पीड़िता ने बताया कि काम के दौरान बॉस ने उसका हाथ पकड़ लिया और छेड़छाड़ करते हुए शारीरिक सम्बंध बनाने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उन्होंने उसे काम से निकाल दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सम्बंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पागल कुत्ते ने मजदूर का चेहरा नोंचा

सोते समय दो मजदूरों पर किया पागल कुत्ते ने हमला

सितारगंज (उद संवाददाता)। पागल कुत्ते ने झुग्गी में सो रहे मजदूर के चेहरे पर घातक हमला कर नोच डाला। मजदूर का चेहरा कुत्ते के नुकीले दांतों से चबाने के कारण डॉक्टर ने 19 टांके लगाकर रक्तस्राव को रोका। बगल में सो रहे दूसरे मजदूर की पीठ पर भी कुत्ते ने हमला किया। डॉ रविंद्र सिंह ने घायल का उपचार किया। फार्मासिस्ट कल्याण नाथ गोस्वामी ने घायलों को एंटी रेबीज के टीके लगाए। नानकमत्ता के ग्राम ड्योढ़ी निवासी कमरदिन पुत्र कमरुद्दीन झुग्गी में सो रहा था। आधी रात को पागल खूंखार

कुत्ते ने झुग्गी में घुसकर कमरदिन के चेहरे पर हमला कर दिया। कुत्ते ने कमरदिन का चेहरा बुरी तरह नोच डाला। शोर शराबा सुनकर पड़ोस में सो रहा भूरा पुत्र कमरुद्दीन भाई को बचाने के लिए दौड़ा। कुत्ते ने भूरा की पीठ पर भी हमला कर घायल कर दिया। रात को ही कमरदिन का नानकमत्ता के सरकारी अस्पताल में उपचार कराया। शुक्रवार की सुबह घायल कमरुद्दीन डॉक्टर रविंद्र कुमार के पास पहुंचे। उन्होंने घायल का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद फार्मासिस्ट कल्याण नाथ गोस्वामी ने दोनों घायलों को एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए। बताते चलें कि इससे पूर्व नानकमत्ता क्षेत्र में पालतू कुत्ते ने घर में मेहमानदारी में पहुंची वृद्धा को रात के समय हमलाकर मौत के घाट उतार दिया था। पशु चिकित्सकों के अनुसार कुत्ता हिंसक प्रजाति का जानवर होता है।जिसकी प्रवृत्ति शिकार की होती है।

आवश्यकता है

श्री वर्धमान किराना मर्चेंट गोल मार्केट रुद्रपुर में **स्टाफ कार्य हेतु** युवकों एवं युवतियों की

-संपर्क करें-

9837491508
9359927216

'गेमचेंजर' होगा 'शैलारानी' का वोट बैंक!

केदारनाथ विस सीट पर मतगणना कल: भाजपा और कांग्रेस उम्मीदवारों के साथ समर्थकों की धड़कने तेज

देहरादून/रूद्रप्रयाग (उद ब्यूरो)। केदारनाथ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अब प्रदेशवासियों को नतीजों का इंतजार है। जबकि कल 23 नवम्बर को होने वाली मतगणना से पूर्व पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार हुई कम वोटिंग के नतीजों को लेकर सत्तासीन भाजपा के साथ विपक्षी दल कांग्रेस के उम्मीदवारों के साथ समर्थकों की धड़कने तेज हो गई है। भाजपा और कांग्रेस ने उपचुनाव में ऐड़ी और चोटी का पूरा जोर लगाया और अब अपनी अपनी जीत का दावा भी कर रहे है। इस उपचुनाव के सियासी खेल में दोनों दलों के लिए दिवंगत पूर्व विधायक शैलारानी रावत के वोटबैंक अहम साबित हो सकते है। इस सीटपर पूर्व विधायक आशा नौटियाल और मनोज रावत का अपना वोटबैंक है। भाजपा ने जहां इस बार सहानुभति कार्ड खेलने की रणनीती में बदलाव कर पूर्व विधायक आशा नौटियाल पर सियासी दांव खेल दिया था। वहीं चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा उम्मीदवार आशा नौटियाल ने दिवंगत पूर्व विधायक शैलारानी रावत की बेटी ऐश्वर्या के घर जाकर उनके साथ लंच कर सियासी रूख तय कर दिया था। जिसके बाद ऐशवर्या रावत ने सीएम पुष्कर सिंह धामी व भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल के समर्थन में कई जनसभाओं मे पहुंची। हांलाकि टिकट नहीं मिलने के बाद विपक्ष ने वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए भाजपा पर निशाना साधा। वहीं दूसरी तरफ कांग्रस से अपने राजनीतिक शिष्य के चुनाव प्रचार में उतरे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी पार्टी नेताओं की टोली लेकर ऐश्वर्य के घर पहुंचकर चुनाव की दशा और दिशा बदलने का दांव भी चला। जिसके बाद भाजपा में हलचल भी पैदा हुई और उन्हें एकजुट रखने के लिए बड़े नेता सक्रिय हुए। दोनों दलों का मकसद कांग्रेस और भाजपा में रहीं शैलारानी के उस वोट बैंक को साधने की रही है,जो दलीय विचार से इतर उनके व्यक्तिगत संबंधों के कारण उनके पीछे चला है। जबकि दानों दलों के उम्मीदवारों का राजनीतिक कैरियर भी मतदाताओं को प्रभावित करता है। आशा नौटियाल ने दो बार विधायक का चुनाव जीतकर अपना परचम लहराया है तो वहीं मनोज रावत भी चुनावी रण में कई बार उतरने के बाद एक बार विधायक का चुनाव जीत चुके है। केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव में पूर्व विधायक दिवंगत रावत शैलारानी की बेटी ऐश्वर्य की टिकट की मुराद पूरी न होने के बाद ऐश्वर्य की चुप्पी ने भाजपा और कांग्रेस के वोटबैंक को प्रभावित किया है। वह भाजपा और कांग्रेस की उम्मीदों की धुरी बन गई हैं। हांलाकि भाजपा अपने कुशल सियासी मैनेजमैंट से टिकट के लिए नेताओं में मची मारामारी को कंट्रोल करने में सफल रही और कार्यकर्ताओं को एकजुट रखा। जिससे टिकट को लेकर पार्टी में कोई बगावत भी देखने को नहीं मिली। विपक्षी दल कांग्रेस के नेता भी उपचुनाव के प्रचार युद्ध में भाजपा पर पूरी एकजुटता से सततारूड़ भाजपा पर वार पलटवार करती नजर आई। बदरीनाथ व मंगलौर उपचुनाव में जीत का उत्साह केदारनाथ के प्रचार को प्रचंड बनाने में उसके खूब काम आया और अब उसे मनचाहे नतीजे का इंतजार है। उपचुनाव में केदारनाथ विस सीट से जुड़े कई मुद्दों को भी खूब भुनाया गया है। जबकि दिल्ली के बुराड़ी में नया केदारनाथ मंदिर बनाये जाने के के प्रयास करने के खिलाफ विपक्ष हमलावर रहा है। एक ओर स्टार प्रचारक सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जहां केदारघाटी में खूब धुंआधार प्रचार किया और डबल इंजन सरकार की ताकत का एहसास भी कराया। वहीं पूर्व सीएम हरीश रावत भी दिन रात गांव गांव घूमकर कांग्रेस के समर्थन में वोट मांगते रहे। हरीश रावत भाजपा से मुकबले के लिए अपने कार्यकाल के दौरान केदारघाटी की भीषण आपदा के बाद यात्रा सुचारू करवाने व विकास के मुद्दे पर हावी रहे। बहरहाल अब जीत और हार के अंतर को लेकर भी गुणा भा ग शुरू हो गया है। उपचुनाव के नतीजों का इंतजार कल खत्म हो जायेगा और केदारनाथ घाटी की जनता को नया विधायक भी मिल जायेगा।

स्ट्रांग रूम के बाहर कड़ी सुरक्षा, 53 हजार 513 मतदाताओं ने किया मताधिकार का प्रयोग

रूद्रपगया। उत्तराखंड में 7 केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया है। जिसके बाद सभी 173 पोलिंग बूथों से पोलिंग पार्टियां वापस आ गई हैं। आज ईवीएम को प्रेक्षक विनोद शेषन की निगरानी में स्ट्रांग रूम में रख दी गई हैं और रूम को सील कर दिया गया है। केदारनाथ उपचुनाव में इस बार 58.89 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान के बाद सभी पोलिंग पार्टियां सुरक्षित लौट आई हैं और ईवीएम को प्रेक्षक विनोद शेषन की निगरानी में स्ट्रांग रूम में सील कर दिया गया। बता दें कि अब 23 नवंबर को मतगणना की जाएगी। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं। स्ट्रांग रूम के बाहर आईटीबीपी, अर्द्धसैनिक बल और पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही स्ट्रांग रूम पर लगातार सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने बताया कि सभी पोसिंग पार्टियां वापस आ गई हैं। अब 23 नवंबर को मतगणना के दिन मतगणना के लिए 14 टेबल लगाई जाएंगी। बता दें कि केदारनाथ विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 90 हजार 875 है। जिनमें 45 हजार 956 महिला मतदाता और 44 हजार 919 पुरुष मतदाता शामिल हैं। 20 नवंबर को हुए मतदान में कुल 53 हजार 513 मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया। जिसमें 28 हजार 345 महिला मतदाता तथा 25 हजार 168 पुरुष मतदाता शामिल थे। नोडल अधिकारी पोस्टल बैलेट राहुल चौबे ने अवगत कराया है कि पोस्टल बैलेट के माध्यम से 712 कार्मिकों, दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अब तक 284 ईटीपीबीएस के पोस्टल बैलेट प्राप्त हो चुके हैं।

सस्ता गल्ला की दुकानों के आवंटन में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जायेगा : रेखा

कैबिनेट मंत्री ने सुनी राशन डीलर्स की समस्या

देहरादून(उद संवाददाता)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मामलों की मंत्री रेखा आर्या ने आज प्रदेश के राशन डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की समस्याओं को सुना. इसके साथ ही संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्याओं का निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। मीडिया से बातचीत में मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि राशन विक्रेताओं को जून माह तक का लाभांश दे दिया गया है. शेष लाभांश व भाड़े के भुगतान की धनराशि के लिए केंद्र सरकार को अवगत कराया गया है. इसके अलावा राज्य सरकार के स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं. मंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में मिलने वाले राशन के लिए भुगतान की जाने वाली धनराशि के शेष बचे भाग के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री ने कहा कि सभी जनपदों के संबंधित डीपीओ और डीएसओ के साथ बैठक करके राशन वितरण में आ रही समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा जो विक्रेता शत-प्रतिशत राशन वितरण कर रहे हैं। उन्हें दुकान खोलने के लिए बाध्य नहीं किया जायेगा। इसके अलावा मंत्री ने आदेश जारी करने की बात कही

ताकि शत-प्रतिशत लाभार्थियों को राशन वितरण करने वाले विक्रेताओं पर अनावश्यक दबाव ना बने। राशन के शत प्रतिशत ऑनलाइन वितरण पर मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि बायोमेट्रिक व्यवस्था को निरंतर हाईटेक किया जा रहा है। सुदूरवर्ती जनपदों में भी सिस्टम कारगर हो और हमारे प्रदेश की गिनती 100% ऑनलाइन राशन वितरण करने वाले राज्यों में हो सके. इसके लिए अधिकारियों को 15 दिसंबर तक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने महिलाओं को सशक्त और समृद्ध बनाने के दृष्टिगत, प्रदेश में नई और शेष बची सस्ता गल्ला की दुकानों के आवंटन में महिलाओं को 33% आरक्षण देने के लिए विभाग को प्रस्ताव बनाने के लिए कहा है. मंत्री ने कहा जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर इसे महिलाओं के उत्थान के लिए लागू कर दिया जाएगा।

राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड ने उत्तराखण्ड को सौंपा सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड में मत्स्य पालन के क्षेत्र में किए गए अभिनव प्रयोगों के लिए राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड हैदराबाद की ओर से उत्तराखण्ड को हिमायली और उत्तर पूर्व के राज्यों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार प्रदान किया गया है। आज विश्व मत्स्य पालन दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन, डेयरी, पंचायतीराज राज्यमंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह द्वारा उत्तराखण्ड के सचिव पशुपालन, मत्स्य विभाग डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम को यह पुरस्कार सौंपा गया। उत्तराखण्ड मत्स्य पालन विभाग ट्राउट फार्मिंग के लिए राज्य में 1400 से अधिक ट्राउट रेसवेज का निर्माण कर चुका है, साथ ही मत्स्य सम्पदा योजना के तहत ऊधमसिंह नगर में राज्य स्तरीय एक्वापार्क और एक होल सेल मार्केट का भी निर्माण किया जा चुका है। यही नहीं विभाग ने स्थानीय मत्स्य पालकों के समूहों और आईटीबीपी के बीच भी मछली आपूर्ति के लिए अनुबंध किया है। इन प्रयोगों से उत्तराखण्ड में मछली पालकों की आय बढ़ने की उम्मीद है। इन्हीं प्रयोगों के चलते बोर्ड ने उत्तराखण्ड को इस पुरस्कार के लिए चुनाव है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरस्कार पर विभाग और मत्स्य पालकों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके परिणाम अब नजर आने लगे हैं।

कांग्रेस को प्रदेश के हर ब्लाक और गांव में परिवर्तन के लिए पहुंचना होगा : हरदा

पूर्व सीएम हरदा का बड़ा हमला: शराब जिहाद और पैसा जिहाद के बल पर उपचुनाव जीतने का प्रयास किया गया

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। केदारनाथ में उपचुनाव खत्म होने के बाद उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत हल्द्वानी पहुंचे। मीडिया से बातचीत में हरदा ने केदरनाथ सीट जीतने का दावा किया है। इसके साथ ही भाजपा पर शराब और पैसों के बल पर चुनाव जीतने का प्रयास करने के आरोप लगाए हैं। केदारनाथ उपचुनाव में मतदान के बाद कांग्रेस नेता हरीश रावत हल्द्वानी पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए हरदा ने कहा कि केदारनाथ में कांग्रेस के पक्ष में माहौल रहा है। बद्रीनाथ की तरह कांग्रेस केदारनाथ सीट भी जीतने जा रही है। हरीश रावत ने कहा कि सत्ताधारी दल ने शराब जिहाद और पैसा जिहाद के बल पर चुनाव जीतने का प्रयास किया था। हरीश रावत ने कहा लेकिन कांग्रेस ने एकजुट होकर अपने प्रत्याशी मनोज रावत को चुनाव लड़ाया है। हरदा ने कहा उन्हें लगता है कि नतीजे पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में आएंगे। हरीश रावत ने कहा कि पहली बार सरकार की जन विरोधी नीतियों को एकजुट होकर कांग्रेस महिलाओं तक पहुंचाने में सफल रही है। इसके सार्थक परिणाम कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मिलेंगे। पूर्व सीएम हरदा ने उपचुनाव में कम मतदान और शराब बांटने को लेकर भाजपा पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई बेरोजगारी बढ़ने से लोगो में निराशा है। हरदा के अनुसार सरकार ने इस बार लव-लैंड जिहाद को छोड़ शराब और पैसा जिहाद का सहारा लिया है। चुनाव के दौरान कैबिनेट मंत्री खुद इस काम में जुटे थे। कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर मनोज रावत की घोषणा होने से पहले ही गांव-गांव में शराब स्टाक की जा रही थी। निजी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए हल्द्वानी पहुंचे पूर्व सीएम हरीश रावत ने गुरुवार को देवलचौड़ स्थित एक होटल में मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रचार के दौरान उन्होंने महसूस किया कि सरकार के प्रति बदरीनाथ उपचुनाव जैसी नाराजगी लोगों के अंदर केदारनाथ में भी थी। सत्ता विरोधी हवा स्पष्ट दिखाई दी। महिला मतदाता जो कि पिछले कुछ समय से भाजपा की अहम शक्ति बन चुकी थी, वे पहाड़ की सर्द रात में होने वाली कांग्रेस की सभाओं में हमारी बात सुनने के लिए पहुंच रही थीं। पूर्व सीएम के अनुसार मतदान के दिन मातृशक्ति की तरफ से लिया गया निर्णय जीत-हार का निर्णय करने के साथ अंतर को भी स्पष्ट कर देगा। पूर्व सीएम ने कहा कि विपक्ष के तौर पर कांग्रेस को सरकार के प्रति हमेशा आक्रामक रहने से जनता का समर्थन जरूर मिलेगा। 2027 में सत्ता परिवर्तन के लिए ये व्यवहार जरूरी है। पूर्व सीएम ने कहा कि मेरी उम्र में लोग घर बैठ जाते है लेकिन 75 वर्ष के इस पड़ाव में भी वह कांग्रेस को शक्ति देने का काम कर रहे है। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल और प्रीतम सिंह को लेकर कहा कि केदारनाथ से मिले संकेत के आधार पर प्रदेश के हर ब्लाक और गांव में परिवर्तन के लिए पहुंचना होगा।

कार्यशाला आयोजित कर जानी बालिकाओं की समस्याएं

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार नैनीताल में चार दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला जीजीआईसी से शुरू हुई। महिला एवम बाल विकास विभाग नैनीताल द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत बालिकाओं द्वारा असुरक्षित स्थानों के चिन्हीकरण विषय में कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विभाग जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा एवम परिवीक्षा विभाग से आए हुए अधिकारियों द्वारा बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की गई। संयुक्त मजिस्ट्रेट, नैनीताल वरुणा अग्रवाल ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए असुरक्षित स्थानों को बिना डरे बताने के लिए प्रेरित किया और ऐसे असामाजिक लोगों पर कड़ी कार्यवाही करने की भी बात कही। अपर निदेशक, प्रशिक्षण श्रीमती ऋचा सिंह ने बालिकाओं से वार्ता करते हुए ऐसे स्थानों के बारे में पूछा जहां पर वह असुरक्षित महसूस करती हैं। साथ ही बताया कि पिछली कार्यशालाओं में चिन्हित स्थानों पर समस्त संबंधित विभागों द्वारा लगातार कार्यवाही भी की जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों के लिए एसओपी भी जारी कर दी गई है एवं मुख्य सचिव द्वारा भी इन कार्यशालाओं को पूरे राज्य में करवाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी अनुलेखा बिष्ट ने बताया कि

हल्द्वानी में इन कार्यशालाओं का असर देखने को मिल रहा है। बालिकाओं द्वारा विभिन्न स्थानों को चिन्हित किया गया जैसे हरीनगर, मल्लीताल पर मस्जिद के पास, आलूखेत का फायरिंग एरिया, बस स्टैंड, स्नो व्यू, जीजीआईसी स्कूल के गेट के पास, जू रोड, बूचड़खाना, मुसाफिर खाना, दुर्गापुर, तप्पड़, मॉल रोड के पार्क, जेल कैंपस आदि। बालिकाओं द्वारा बताया गया कि नैनीताल से हल्द्वानी रूट की बसों में यात्री शराब पीकर चढ़ते हैं और आए दिन छेड़खानी की घटनाएं होती हैं, ड्राइवर और कंडक्टर भी नशे में रहते हैं। यही समस्या टैक्सी में भी आती है। महिलाओं से छेड़छाड़ होती है, पैसे लेते समय हाथ छूने की कोशिश की जाती है। कुछ चिन्हित स्थानों में ड्रग्स और शराब का कारोबार भी चलता है। जैसे बूचड़खाना, कुछ सुनसान जगह जैसे स्नोव्यू , तप्पड़, हरीनगर आदि में लड़के नशे में पीछा करते हैं और नैनीताल के मॉल रोड वाले पार्क में अक्सर नशे में लड़के बैठे रहते हैं और छेड़खानी करते हैं। कार्यशाला मे बालिकाओं ने कुछ सुझाव भी पेश किए जैसे रोडवेज बस स्टैंड का लगातार निरीक्षण, सीसीटीवी, चिन्हित जगह पर लगातार पुलिस पेट्रोलिंग, गलियों में स्ट्रीट लाइट, रिक्शा स्टैंड पर एवम अन्य चिन्हित स्थानों पर गश्त आदि। इस कार्यशाला में चिन्हित स्थानों एवम कारणों के साथ समिति अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित करेगी जिससे संबंधित विभाग को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन कार्यालय से तबस्सुम ने हेल्पलाइन नम्बर्स की जानकारी दी एवम स्वास्थ्य विभाग से डॉ दीप्ति धामी ने महिला स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। इन लगातार हो रहे कार्यक्रमों का उद्देश्य भय मुक्त वातावरण को बनाना है जहां बालिकाएं स्वयं को असुरक्षित ना महसूस करें और विश्वास के साथ कहीं भी आ जा सके। उन्हें आने-जाने में भय ना लगे और जिस भी क्षेत्र में छेड़छाड़ या बच्चियों को असुरक्षा महसूस हुई है। उनमें जिलाधिकारी के निर्देशानुसार कार्यवाही की जा रही है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग से मेहा शाह, विद्यालय की शिक्षिकायें, बालिकाएं, बाल विकास अधिकारी शिल्पा जोशी एवम सुपरवाईजर प्रियंका आर्या उपस्थित रहे।

युवा पर्वतारोही शीतल ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून(उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में युवा पर्वतारोही शीतल ने शिष्टाचार भेंट की। पिथौरागढ़ जिले की निवासी शीतल ने हाल में ही चीन स्थित चोटी माउंट चोओयू (8,188 मीटर) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। शीतल तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार, कुमांऊ सम्मान और तीलू रौतली पुरस्कारों से सम्मानित हो चुकी हैं और उनके इस प्रयास

ने उत्तराखण्ड का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने अपने अदम्य साहस और दृढ़ निश्चय से देशभर के युवाओं को प्रेरित किया है। राज्यपाल ने शीतल की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके जज्बे और हौसले प्रदेश की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि शीतल ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और अपनी लगन और मेहनत से कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियों में प्रतिभा और जज्बे की कोई कमी नहीं है केवल उन्हें सही मार्गदर्शन की जरूरत है, और वे किसी भी मुकाम को हासिल कर सकती हैं। राज्यपाल ने शीतल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

गोल्ज्यू संदेश शोभायात्रा का किया स्वागत

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। वैश्य महासभा के तत्वावधान में महिला वैश्य महासभा, युवा वैश्य महासभा द्वारा कुमांयू के न्याय देवता गोल्ज्यू संदेश शोभायात्रा के नगर भ्रमण पर बर्तन बाजार में श्रद्धा के साथ पुष्प वर्षा की गई । गोल्ज्यू देवता से सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड की सुख-समृद्धि, शांति तथा हर आपदा से सुरक्षित रखने की प्रार्थना की । इस अवसर पर वैश्य महासभा अध्यक्ष

रामबाबू जायसवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक वार्ष्णेय, सचिव तनुज गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल मुन्ना, महिला अध्यक्ष मंजू वार्ष्णेय, श्री कान्त खण्डेलवाल, सुशील अग्रवाल पप्पी ,बद्रीप्रसाद गुप्ता, अग्रवाल सभा अध्यक्ष नीरज प्रभात गर्ग, महामंत्री मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, महिला महामंत्री स्नेहलता गुप्ता, छवि जायसवाल, बेबी गोयल, नंदिनी देवल, हिमानी गुप्ता, कमल वार्ष्णेय, रश्मि गुप्ता, यश गुप्ता, अंश गुप्ता, अतुल जायसवाल, कपिल अग्रहरि सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

सांसद अजय भट्ट ने सुनी समस्या

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद श्री अजय भट्ट ने आज अपने आवास पर विभिन्न समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देशित किया। सांसद श्री भट्ट ने हल्द्वानी मुखानी स्थित आवास में नैनीताल उधम सिंह नगर संसदीय क्षेत्र के विभिन्न विधानसभाओं

से आए जनप्रतिनिधियों, जनता व सामाजिक संगठनों के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान सड़क बिजली पानी चिकित्सा शिक्षा सहित विभिन्न विभागों की समस्याओं से लोगों ने सांसद जी को अवगत कराया, जिस पर सांसद श्री भट्ट ने मौके पर ही दूरभाष पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए दोपहर पश्चात श्री भट्ट ने कार्यकर्ताओं सहित वॉकवे मॉल में दा साबरमती रिपोर्ट्स फिल्म देखी उन्होंने कहा कि इस फिल्म को लोगों को देखना चाहिए, क्योंकि इसमें वह सच्चाई है, जो लोगों से छुपाई गई थी।

नोटिस देने के खिलाफ किसान पंचायत का आयोजन 24 को

हल्द्वानी (उद संवाददाता)।वन विभाग द्वारा बागजाला, गौलापार में ग्रामीणों को नोटिस देने की कार्यवाही के खिलाफ अखिल भारतीय किसान महासभा द्वारा 24 नवम्बर को किसान पंचायत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बागजाला के ग्रामीणों के साथ ही किसान महासभा के पदाधिकारी शामिल रहेंगे। यह जानकारी किसान महासभा के जिलाध्यक्ष भुवन जोशी ने दी। उन्होंने कहा कि, जब से भाजपा सरकार प्रदेश में आई है तब से प्रदेश भर में गरीब जनता को उसकी काबिज जमीन से उजाड़ा जा रहा है। गरीब लोगों द्वारा पूरी जिंदगी की कमाई से बनाए मकान और बस्तियां तोड़ दी जा रही हैं। पिछले 2 साल से बागजाला (गौलापार) में भी यहां के निवासियों को उजाड़ने की कोशिश भाजपा सरकार द्वारा की जा रही है। पहले तो भाजपा सरकार के रहते हुए यहां के लोगों को ग्राम पंचायत के अधिकार से बेदखल करते हुए यहां के लोगों से ग्राम सभा में वोट करने का अधिकार छीन लिया गया। उसके बाद लगातार यहां के लोगों वन विभाग के माध्यम से नोटिस थमाए जा रहे हैं। उससे पहले किसी भी नए मकान बनने पर रोक लगा दी गयी, हर घर नल योजना रोक दी गई, वन विभाग द्वारा सरकारी सीसी रोड रोक दी गई। वन विभाग की इन जनविरोधी कार्यवाहियों से हजारों की संख्या वाले बागजाला वासी दहशत में हैं। अपनी जिंदगी भर की मेहनत की पूंजी लगाकर बनाए गए घरों पर संकट छा गया है। जानकारी होने के बावजूद भाजपा के सांसद, विधायक व अन्य नेता कान में तेल डालकर बैठे हैं। इसलिए अखिल भारतीय किसान महासभा के द्वारा किसान पंचायत बुलाकर अपने हक-अधिकार की लड़ाई को आगे बढ़ाने की रणनीति तय करने के लिए 24 नवम्बर (रविवार) को सुबह 10 बजे बागजाला के जसबु थान के मंदिर पर इस किसान पंचायत का आयोजन किया जाएगा।

चीन को हराकर भारत लौटी हॉकी खिलाड़ी मनीषा चौहान

हरिद्वार। हरिद्वार के श्यामपुर की बेटी मनीषा चौहान का एशियन वूमेन चैंपियनशिप ट्रॉफी के फाइनल में चीन को हराकर गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। भारत की जीत पर गांव में मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई। भारतीय

महिला हॉकी टीम ने इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल में चीन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इसमें मनीषा चौहान का भी अहम योगदान रहा है। ढोल-नगाड़ों की धुन पर गांव के लोगों ने जमकर नृत्य किया। मनीषा के पिता ज्ञान सिंह चौहान ने कहा ये हमारे लिए गर्व का क्षण है। मनीषा ने अपने प्रदर्शन से न केवल गांव बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। हॉकी कोच बलविंद्र सिंह ने मनीषा कहा कि वंदना कटारिया के बाद मनीषा का चयन भारतीय हॉकी टीम में होने से हरिद्वार और प्रदेश का नाम ऊंचा हो रहा है।

हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में कोहरे का यलो अलर्ट

देहरादून। भले मानसून विदाई के बाद उत्तराखंड में बारिश नहीं हो रही हो, लेकिन सूखी ठंड लोगों को जमकर परेशान करने लगी है। उधर बृहस्पतिवार की ठंड ने तो बीते 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। राजधानी दून में दिन का अधिकतम तापमान 27.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि इससे पहले इतना कम तापमान दस सालों में कभी नहीं रहा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मैदानी इलाकों में कोहरा छाए रहने की वजह से तापमान में गिरावट आई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भले दून में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री बढ़ोतरी के साथ 27.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, लेकिन यह 10 सालों का सबसे कम तापमान है। जबकि रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा। हालांकि दिन के समय चटक धूप खिलने से ठंड का अहसास कम रहा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में सुबह-शाम घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। केंद्र ने दोनों जिलों में कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि अन्य जिलो में मौसम शुष्क रहेगा। प्रदेश भर में अभी अगले चार दिन तक बारिश के कोई आसार नहीं है। केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 25 नवंबर तक प्रदेश भर में हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले को छोड़ सभी जिलों में मौसम शुष्क रहेगा।

सेना भर्ती में शामिल होकर 18 हजार युवा वापस लौटे,हालात हुए सामान्य

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में प्रादेशिक सेना भर्ती में उमड़ी युवाओं की भीड़ के बाद उपजे हालात सामान्य होने लगे हैं। भर्ती में शामिल होकर 18 हजार से अधिक युवा वापस अपने घर लौटे हैं। भीड़ कम होने से प्रशासन के साथ ही आम जन ने भी राहत की सांस ली। 10 वें दिन यूपी के युवाओं की भर्ती प्रक्रिया हुई। चार हजार से अधिक युवा भर्ती में शामिल हुए। सीमांत जनपद में 12 से 27 नवंबर तक प्रादेशिक सेना भर्ती आयोजित हो रही है। नौं वें दिन बीते बुधवार को यूपी के 20 हजार से अधिक युवा भर्ती में शामिल होने पहुंचे तो हालात बिगड़ गए। प्रशासन को उनके लिए वाहनों और रहने-खाने की व्यवस्था करने में खासी मशक्कत करनी पड़ी। भर्ती स्थल में भी भीड़ अधिक होने से भगदड़ मच गई और भीड़ नियंत्रित करने के लिए सेना को युवाओं पर लाठियां फटकानी पड़ी। भर्ती के बाद युवाओं के वापस लौटने का सिलसिला शुरू हुआ। दो दिनों के भीतर 18,000 युवाओं की वापसी हुई तो हालात सामान्य हुए हैं। भीड़ कम होने से प्रशासन और सेना में राहत है। 80 से अधिक बस, 150 से अधिक टैक्सी युवाओं को वापस लेकर रवाना हुईं। एपीएस के पास बने अस्थाई बस स्टैंड में युवाओं की खासी भीड़ जुटी रही। भीड़ अधिक होने से बस में सीट पाने के लिए मारामारी रही। हालांकि पूरे दिन बस और टैक्सी की आवाजाही से युवाओं को खासी राहत मिली।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित

नैनीताल। राज्य सरकार द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय में जिला नैनीताल व ब्लाक स्तर रामनगर पर मतदान हेतु रजिस्ट्रेशन एवं अन्य जानकारी सम्बंधित अधिकारियों द्वारा दी गई। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने अपने मोबाइल में एप द्वारा वोटर आईडी के लिए रजिस्ट्रेशन किया। जिसमें जिला निर्वाचन कार्यालय से नीरज साह, मिलित तिवारी एवं रामनगर से बी.एल.ओ. समन्वयक अखिलेश मैंदोलिया ने अपनी टीम के बी.एल.ओ. चंद्रा खाती, दीपा थापा, ममता भंडारी, पूनम गोला और चांदनी के साथ विद्यार्थियों को वोटर आईडी की महत्ता बताई। महाविद्यालय के संरक्षक प्राचार्य प्रो.एम.सी. पांडे ने कार्यक्रम की शुरुआत की।महविद्यालय में ही नोडल अधिकारी प्रो.जे.एस. नेगी और कैम्पस अम्बेडकर डॉ. ममता भदोला जोशी ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय में हाजरी लगाकर गायब मिला प्रधानाध्यापक निलंबित

औचक निरीक्षण में डीईओ को मिली कई अनियमितताए

रुद्रपुर/काशीपुर(उद संवाददाता)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय सरवरखेड़ा प्रथम जसपुर के औचक निरीक्षण में डीईओ को कई अनियमितताएं मिलीं। इसमें जहां प्रधानाध्यापक उपस्थित पंजिका पर हस्ताक्षर कर विद्यालय से गायब मिले, तो वहीं एमडीएम पंजिका में उपस्थित 140 बच्चों में मात्र 56 बच्चे ही विद्यालय में पाए गए। वहीं विद्यालय परिसर में पानी का भरान मिला। पंजिका के निरीक्षण में पाया गया कि 18 से 21 तक लगातार प्रधानाध्यापक की उपस्थिति दर्ज की गई है पर वे विद्यालय में उपस्थित नहीं थे। इस पर डीईओ ने प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है। शिक्षा विभाग को लगातार शिकायत मिल रही है कि जसपुर में विद्यालय मनमानी कर रहे हैं जहां फर्जी नामांकन किए गए हैं तो छात्रों की उपस्थिति ज्यादा दिखाकर एमडीएम में धांधली की जा रही हैं। बृहस्पतिवार की दोपहर डीईओ हरेंद्र कुमार मिश्र ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय सरवरखेड़ा प्रथम

जसपुर का औचक निरीक्षण किया। इसमें पाया गया कि विद्यालय में कुल 183 बच्चे पंजीकृत हैं। छात्र उपस्थिति पंजिका में 140 बच्चे दिखाए गए थे पर मात्र कुल 56 बच्चे ही उपस्थित मिले। इसमें कक्षा एक और तीन में एक भी छात्र उपस्थित नहीं मिला। वहीं विद्यालय में रखरखाव, साज-सज्जा, पानी निकास की व्यवस्था ठीक नहीं पाई गई। अध्यापक उपस्थिति पंजिका में प्रधानाध्यापक के हस्ताक्षर थे पर वे विद्यालय में उपस्थित नहीं थे। पत्र व्यवहार पंजिका में 18 से 21 तक लगातार प्रधानाध्यापक के विद्यालयी समय में विद्यालय छोड़ा पाया गया। निरीक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि विद्यालय ने छात्र उपस्थिति बढ़ाकर एमडीएम में अनियमितता और गबन करते हुए विद्यालय को प्राप्त अनुदान राशि का दुरुपयोग किया गया है। इस पर प्रधानाध्यापक मो. याकूब को निलंबित करते हुए उप शिक्षा अधिकारी जसपुर कार्यालय से संबद्ध किया गया। इसके बाद वह हरियावाला राजकीय प्राथमिक विद्यालय पहुंचे। यहां सफाई की व्यवस्था सही मिली। उन्होंने विद्यालय में पुताई कराने को कहा। साथ ही छात्र- छात्राएं व शिक्षक भी मौके पर उपस्थित मिले। इससे पहले डीईओ के निरीक्षण में घोर लापरवाही मिलने पर दो अध्यापकों को निलंबित किया जा चुका है। वहीं विभाग को लगातार एमडीएम में अनियमितता और फर्जी नामांकन की शिकायतें मिल रही हैं। इसको लेकर विभाग ने कई विद्यालयों को सूचीबद्ध भी किया है। जल्द ही कई और विद्यालयों के अध्यापकों पर गाज गिरनी तय हैं।

ऑनलाईन हाजिरी नहीं लगाने पर 114 अध्यापकों का रुकेगा वेतन

रुद्रपुर। माध्यमिक स्कूलों के अध्यापक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। शिक्षा विभाग ने भी ऐसे अध्यापकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है। 20 नवंबर को पोर्टल पर रियल टाइम अटेंडेंस नहीं लगाने वाले 114 अध्यापकों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। जिले के सभी इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य सहित अध्यापकों को यू डायस पोर्टल पर रियल टाइम अटेंडेंस भरना अनिवार्य है। प्रतिदिन विद्यालय आकर अध्यापकों को ऑनलाइन हाजिरी लगानी है। 20 नवंबर को जिले के 114 अध्यापक ऐसे रहे जिन्होंने अपना अटेंडेंस नहीं लगाया। इसमें बाजपुर के 29, गदरपुर के 15, जसपुर के 04, काशीपुर के 14, खटीमा के 15, रुद्रपुर 08 और सितारगंज के 29 शिक्षक ऐसे रहे जिन्होंने हाजिरी नहीं लगाई। हालांकि प्रदेश में ऑनलाइन हाजिरी लगाने में जिले का नाम अग्रणी जिलों में हैं पर अभी भी 10 फीसदी ऐसे भी हैं जो हाजिरी नहीं लगा रहे। विभाग का मानना है कि अगर वे विद्यालय आ रहे हैं और शिक्षण गतिविधि में शामिल हैं तो ऑनलाइन हाजिरी लगाने में क्यों परहेज कर रहे हैं। अब प्रतिदिन हाजिरी नहीं लगाने वाले ऐसे शिक्षकों को गैरहाजिर माना जाएगा और उनके वेतन को रोकने की कार्रवाई की जाएगी। सीईओ केएस रावत के अनुसार 20 नवंबर को 114 अध्यापकों ने रियल टाइम अटेंडेंस नहीं लगाया। ऐसे में इन सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि उस दिन का वेतन रोकें क्योंकि शिक्षकों ने अटेंडेंस लगाया नहीं, इसका मतलब वे गैरहाजिर थे।

राजस्व वसूली का लक्ष्य शत प्रतिशत पूर्ण करें: आनंद वर्द्धन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तराखण्ड आनंद वर्द्धन ने वीसी के माध्यम से राजस्व वसूली की समीक्षा की। उन्होने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि राजस्व वसूली बढ़ाते हुए मार्च 2025 तक लक्ष्य को शतप्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि तहसील स्तर पर राजस्व वसूली हेतु निरंतर समीक्षा करें व तहसीलो को लक्ष्य आवंटित कर वसूली कराये ताकि मार्च तक लक्ष्य पूर्ण हो सकें। उन्होने कहा कि जनपद स्तर के 10 बड़े वकायेदारों के नाम जिला मुख्यालय पर ऐसे स्थान पर नाम डिस्प्ले करें जहां हर किसी की नजर पड़े एवं इसी प्रकार तहसील स्तर के बड़े वकायेदारों के नाम तहसीलो में भी डिस्प्ले किया जाये। उन्होने कहा कि राजस्व वसूली के जो भी मामले तहसीलदार, उप जिलाधिकारी व अपर जिलाधिकारी न्यायालय में तीन वर्ष से अधिक के है उन्हे प्राथमिकता के आधार पर नियमित कोर्ट लगाकर सुनवाई करते हुए निस्तारित करें। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने अवगत कराया कि जनपद स्तर पर प्रत्येक माह सभी तहसीलो की राजस्व वसूली की स्वयं मेरे द्वारा समीक्षा की जाती है। उन्होने कहा कि सभी तहसीलदारों व उप

जिलाधिकारियों को राजस्व वसूली के लक्ष्य निर्धारण कर वसूली करने के निर्देश दिये गये है। उन्होने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में अबतक 18 करोड़ 6 लाख की वसूली की गई है जिसमे 3 करोड़ 21 लाख की वसूली गतमाह अक्टूबर में की गई है। जिलाधिकारी ने मा0 अध्यक्ष को जानकारी दी कि जनपद में कुल 8938 राजस्व वादो में से 2513 वाद गतमाह में निस्तारित किये गये है, जिस पर मा0 अध्यक्ष ने लम्बित वादों के शीघ्र निस्तारण करने व आरसीएमएस पोर्टल पर भी अपडेट करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, पंकज उपाध्याय, ओसी कलैक्ट्रेट डॉ. अमृता शर्मा, चकबन्दी अधिकारी सुभाष गुप्ता, सहित अन्यअधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामोत्थान के सभी कार्यों को समयसीमा के भीतर पूरा करें: सीडीओ

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने विकासखंड बाजपुर के रीप परियोजना के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में की। उन्होने निर्देश दिए कि सभी क्लस्टर लेवल फेडरेशन सीएलएफ ग्रामोत्थान हेतु दिए गए सभी कार्यों को निर्धारित लक्ष्य व समयसीमा के भीतर करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर परियोजना गतिविधियों के पूर्ण होने के पश्चात नियमित रूप् से अनुश्रवण किया जाए और सूचना सीएलएफ पर रखा जाए। उन्होंने कहा कि रीप परियोजना के अतिरिक्त अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी समुदाय की महिलाओं को दें व उन्हें लाभान्वित करने में उनकी सहायता करें, साथ ही आजीविका के अतिरिक्त अन्य विभागों से समन्वय कर सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सर्वे कर अपने गांव को स्वच्छ रखने हेतु उन्हें प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि एसएसजी महिलाओं को बिजनेस प्लान के बारे में भी जानकारी दें व समुदायों द्वारा उत्पादित उत्पादों के कलैक्शन हेतु कलैक्शन सेंटर बनाए जाने के लिए भूमि चयनित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक रीप राजेश श्रीवास्तव, सहायक प्रबंधक अंकित बालियान, लाइवलीहुड संस्था एवं सामाजिक समावेश से अक्षय गेडवे, विकासखंड बाजपुर के अनुश्रवण मूल्यांकन एवं लेखा सहायक उमेश छिम्वाल, आजीविका समन्वयक सुनील कुमार उचाकोटी आदि उपस्थित थे।

जनपद में हो सकती है 36 एएनएम की नियुक्ति

खटीमा। ऊधम सिंह नगर में लंबे समय से एएनएम के 47 रिक्त पदों के सापेक्ष शीघ्र ही 36 नई एएनएम की नियुक्ति हो सकती है। उत्तराखंड में एएनएम के 391 पदों के लिए पिछले दिनों देहरादून में हुई काउंसलिंग का परिणाम घोषित हो गया है। जिले में एएनएम के 195 पद सृजित हैं। इन पदों के सापेक्ष वर्तमान में 148 एएनएम ही तैनात हैं जबकि 47 पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं। एएनएम के पद रिक्त होने से खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से संबंधित स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। खटीमा से लेकर जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर, रुद्रपुर, सितारगंज तक एएनएम की कमी से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ रहा है। गर्भवती और धात्री महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खटीमा के दूरस्थ गांवों की महिलाओं को उप जिला अस्पताल या फिर महंगे निजी अस्पताल में पहुंचना पड़ रहा है। रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए करीब दो माह पहले देहरादून में एएनएम की काउंसिलिंग की गई थी। इसका परिणाम घोषित कर दिया गया है। प्रदेश में चयनित 391 एएनएम में से 36 एएनएम की तैनाती ऊधम सिंह नगर जिले में होने की संभावना है। इससे जिले में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी।

पूर्व विधायक चंद्रशेखर भट्टे वाले का निधन

देहरादून/रूड़की(उद संवाददाता)। गुरुवार को भाजपा नेता और ज्वालापुर के पूर्व विधायक चंद्रशेखर भट्टे वाले का निधन हो गया. गुरुवार दोपहर का उनका पार्थिव शरीर रुड़की लाया गया। बता दें चंद्रशेखर भट्टे ने साल 2012 में हरिद्वार के ज्वालापुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। पूर्व विधायक के निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है. सीएम ने लिखा चंद्रशेखर भट्टे के निधन का समाचार मिला। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं ज्वालापुर विधानसभा (हरिद्वार) से पूर्व विधायक चंद्रशेखर भट्टे वाले के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। चंद्रशेखर जी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों, समर्थकों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कबड्डी में खटीमा ने रूद्रपुर को हराकर लहराया परचम

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। महाकुम्भ 2024 के अन्तर्गत मनोज सरकार स्पोटर्स स्टेडियम में चल रही जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में गुरूवार को अण्डर-14, 17 बालक वर्ग में ताईक्वाण्डो एवं अण्डर-20 बालक वर्ग में ताइक्वाण्डो, कबड्डी, बॉस्केटबाल, फुटबाल एवं हैण्डबाल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के समस्त विकास खण्डों से आये प्रतिभागियों द्वारा जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। अण्डर-14 बालक वर्ग ताइक्वाण्डो 33-37 कि0ग्रा0 में प्रथम -निशित राना सितारगंज, द्वितीय-सौरभ खटीमा तृतीय-गुरप्रीत सिंह बाजपुर एवं अर्जुन रूद्रपुर रहे। 37-41 कि0ग्रा0 ताइक्वाण्डो में गदरपुर के तुषार प्रथम, खटीमा के करन द्वितीय, रूद्रपुर के संचित और काशीपुर के मानव तृतीय रहे। ताइक्वाण्डो 41-45 कि0ग्रा0- वर्ग में खटीमा के यशमीत प्रथम, सितारगंज के इशांत द्वितीय और रूद्रपुर के हर्षित तृतीय रहे। ताइक्वाण्डो 45-49 कि0ग्रा0 में बाजपुर के पवन गिरी प्रथम, खटीमा के हर्षित द्वितीय और रूद्रपुर के रविन्द्र व सितारगंज के गोपाल तृतीय रहे। ताइक्वाण्डो 49-53 कि0ग्रा0 में गदरपुर के अंशुमन शर्मा प्रथम, सितारगंज के समरजीत द्वितीय और रूद्रपुर के हर्षित मेहरा तृतीय रहे। ताइक्वाण्डो 53-57 कि0ग्रा0 वर्ग में काशीपुर के वंश प्रथम, बाजपुर के नतिक टण्डन द्वितीय और रूद्रपुर के माधव तृतीय रहे। ताइक्वाण्डो 57-61 कि0ग्रा0 वर्ग में खटीमा के दक्ष अधिकारी प्रथम, बाजपुर के अभिनव कक्कड़ द्वितीय और काशीपुर के वंश रावत तृतीय रहे। अण्डर-20 बालक वर्ग की कबड्डी में खटीमा ने रूद्रपुर को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। रूद्रपुर द्वितीय स्थान पर रहा एवं गदरपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फुटबाल में रूद्रपुर ने बाजपुर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया एवं काशीपुर ने सितारगंज को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। हैण्डबॉल में रूद्रपुर ने सितारगंज को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सितारगंज द्वितीय स्थान पर रहा एवं गदरपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरूस्कार वितरण राज्य ओलंपिक संघ के सचिव डी0के0 एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी के0एस0 रावत द्वारा किया गया। मंच का संचालन संजीव बुधौरी ने किया। इस अवसर पर निर्णायक लक्ष्मण सिंह टाकुली, राजेन्द्र सिंह भाकुनी, दिनेश कुमार सिंह, मनीष सनवाल, दीप पन्त, सुश्री सुधा जोषी, अशोक चौहान, रविन्द्र बिष्ट ,इमरान खान, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, खटीमा, विक्रान्त चौधरी क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रा0र0द0 अधिकारी, काशीपुर, अखिलेश मण्डल (तकनीकी समिति), हनुमान सिंह भण्डारी (व्यायाम प्रशिक्षक),राजेन्द्र लाल वर्मा (कार्यालय सहायक), सुरेश आर्या (कम्प्यूटर ऑपरेटर), केवल सिंह (कम्प्यूटर ऑपरेटर) पी0आर0डी0 स्वंयसेवक राजेश, कमलेश, रविन्द्र प्रसाद, बसन्त सिंह, लाल बहादुर आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भूपेन्द्र सिंह रावत, जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी, ऊधम सिंह नगर द्वारा सभी खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

कोलंबस स्कूल ने आई ड्रीम करियर के साथ की साझेदारी

भविष्य की सफलता के लिए छात्रों को मिला उत्कृष्ट मार्गदर्शन

रुद्रपुर। मॉडल कॉलोनी स्थित नगर के प्रतिष्ठित कोलंबस पब्लिक स्कूल ने अपनी 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय करियर काउंसलिंग सत्र का आज सफलतापूर्वक समापन किया। इस सत्र में बच्चों को उनके भविष्य के करियर विकल्पों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इन सत्रों का संचालन आई ड्रीम करियर की अनुभवी करियर काउंसलर सुश्री ऋतिका और श्रीमती रश्मि तलवार द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों के साईकोमेट्रिक असेस्मेंट के आधार पर उन्हें विभिन्न करियर क्षेत्रों और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की। इस दौरान सभी छात्रों के लिए वन-टू-वन व्यक्तिगत काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किए गए, जिसमें परामर्शदाताओं ने प्रत्येक विद्यार्थी को लगभग 25 से 30 मिनट का व्यक्तिगत समय देकर मार्गदर्शन किया। इन सत्रों में बच्चों ने अपने करियर और उच्च शिक्षा से संबंधित सवालों के जवाब प्राप्त किए। उन्होंने छात्रों को उनके रुचियों, कौशल और क्षमताओं के आधार पर सही करियर मार्ग का चयन करने की सलाह दी। कोलंबस पब्लिक स्कूल ने इस वर्ष देश के विख्यात करियर काउंसलिंग प्लेटफॉर्म आई ड्रीम करियर के साथ अनुबंध किया है ताकि अपनी वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों को करियर एवं उच्च शिक्षा संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके। विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि आई ड्रीम करियर ने अब तक 42 लाख से अधिक छात्रों और 48,000 से अधिक स्कूलों के साथ काम किया है। यह मंच छात्रों को विशेषज्ञ परामर्शदाताओं, नवीनतम करियर डेटाबेस और साईकोमेट्रिक टेस्ट के माध्यम से सही करियर पथ चुनने में सहायता करता है। प्रधानाचार्य ने यह भी बताया कि पिछले तीन दिनों के व्यक्तिगत सत्रों की भूमिका 20 दिन पूर्व आयोजित साईकोमेट्रिक असेस्मेंट के आधार पर बनाई गई थी, जिससे प्रत्येक छात्र का व्यक्तिगत मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार खेड़ा ने कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को उनके करियर के बारे में स्पष्टता और दिशा प्रदान करना है। आई ड्रीम करियर के साथ साझेदारी से हम अपने छात्रों को और भी बेहतर अवसर और मार्गदर्शन दे पा रहे हैं। इस काउंसलिंग सत्र से छात्रों को अपने करियर और उच्च शिक्षा के बारे में महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद मिलेगी और उन्हें विभिन्न पेशेवर विकल्पों को समझने का अवसर भी मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कोलंबस पब्लिक स्कूल और आई ड्रीम करियर की यह साझेदारी छात्रों के आत्मविश्वास और करियर विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है जो उनके भविष्य को सँवारने में कारगर सिद्ध होगी।

छात्र-छात्राओं को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ

रूद्रपुर। बंगाली कालोनी स्थित कृष्णा इंटर कालेज में यातायात पुलिस, सीपीयू और वंदेमातरम संस्था की ओर से यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुए नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में पुलिस कर्मियों ने बच्चों को बताया कि अधिकांश हादसे लापरवाही के कारण होते हैं। अपनी और दूसरों की सुरक्षा की खातिर सड़क पर नियमों का पालन करना जरूरी है।कहा कि जब तक ड्राईविंग लाईसेंस ना हो तब तक सड़क पर वाहन ना चलायें, दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें। दोपहिया वाहन पर तीन सवारियां ना बैठायें। साथ ही उन्होंने यातायात सुरक्षा से सम्बंधित अन्य जरूरी नियमों की जानकारी भी दी और बच्चों द्वारा पूछे गये सवालों का जवाब भी दिया। इस दौरन दरोगा सतपाल और सिपाही गणेश धपोला के अलावा वन्देमातरम ग्रुप के अध्यक्ष संजय कुमार भी मौजूद थे।

क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरे दिन स्टोनरिज व डीपीएस ने जीते मैच

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।होली चाइल्ड स्कूल के क्रिकेट मैदान में अनिल कुम्बले द्वारा संचालित टेन्विक स्पोर्टस के सहयोग से चल रहे द्वितीय सीडी बत्रा मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन पहला लीग मैच स्टोनरिज इन्टरनेशनल स्कूल, रूद्रपुर व मिल्टन एजूकेशन अकॉदमी, बिलासपुर के बीच हुआ। जिसमें मिल्टन ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। स्टोनरिज ने निर्धारित 15 ओवर में 8 विकेट खोकर 183 रन बनाए, इसके जवाब में मिल्टन स्कूल की पूरी टीम 80 रन बनाकर ऑलआउट हो गई इस प्रकार स्टोनरिज ने अपने पहले मैच में 103 रनों से विजयी रहा। प्रतियोगिता का दूसरा लीग मैच दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूद्रपुर व आर. ए. एन. पब्लिक स्कूल, बिलासपुर के बीच हुआ। जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 6 विकेट खोकर 135 रन बनाए इसके जवाब में आर. ए. एन. स्कूल की पूरी टीम 96 रन बनाकर आउट हो गयी । इस प्रकार दिल्ली पब्लिक स्कूल अपने पहले मैच में 39 रनों से विजयी रहा। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक योगराज बत्रा, चेयरमैन रोहिताश बत्रा, वाइस चेयरमैन विकास बत्रा, एमडी श्रीमति पूजा बत्रा, विनय बत्रा, विद्यालय के प्रधानाचार्य मिंटू दूबे, उप -प्रधानाचार्य (एडमिन) प्रदीप कुमार जोशी एवं उप-प्रधानाचार्य (अकादमिक) श्रीमति मंजू अधिकारी, टूर्नामेंट के व्यवस्थापक सुधाकर सिंह (एच.ओ.डी.-फिजिकल एजूकेशन), टेन्विक स्पोर्ट्स के क्षेत्रीय अधिकारी कपिल कुमार तथा समस्त शिक्षक वर्ग ने विजेता क्रिकेट टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी व उज्जवल भविष्य की कामना की।

जुआ हारने के बाद युवक पर फायरिंग करने के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। शराब के नशे में जुआ हारने के बाद युवक पर फायरिंग करने के आरोपी दो युवकों को पुलिस ने देचोरी गाव को जाने वाले पुराने पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार विगत दिवस मनोज रजवार पुत्र देवेन्द्र सिंह रजवार निवासी ग्राम कप्तानगंज, कोटाबाग, थाना कालाढूगी ने लिखित तहरीर दी कि कुछ अज्ञात लोग उसके चचेरे भाई पीडित विक्रम रजवार को गोली मारी गयी है और मनोज को सुशीला तिवारी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सुशीला तिवारी अस्पताल जाकर पीडित मनोज के बयान पर घटना के समय मौके पर मौजूद चश्मदीद गवाहो से घटना के बारे में जानकारी की। पीड़ित और गवाहों से प्राप्त जानकारी के आधार पर यह तथ्य प्रकाश में आए कि ग्राम देचोरी में एक निर्माणाधीन मकान में कुल 07 लोग जुआ खेल रहे थे। घटनास्थल पर मुकदमे में आरोपी प्रदीप पाण्डे उर्फ मोन्टू के पास अवैध कट्टा था। जो पहले सभी लोगो को डरा रहा था। मनोज द्वारा बताया कि वह जुए में जीत गया और आरोपी प्रदीप पाण्डे उर्फ मोन्टू व रितेश कुमार उर्फ बबली जुऐ में हार गये। मोन्टू ने कब कट्टे में राउंड डाला पता हीं नही चला व रितेश उर्फ बबली ने अपने हाथ में लिया व फायर कर दिया। पुलिस टीम द्वारा योजनाबद्ध तरीके से गोलीकांड में संलिप्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही आरोपियों से घटना में प्रयुक्त अवैध हथियार भी बरामद किए। जिसमें एक अवैध कट्टा व एक अदद खोखा शामिल है। देचोरी गाव को जाने वाले पुराने पुल के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि एक निर्माणाधीन भवन में जुआ खेल रहे थे।नशे में होने व जुऐ मे हार जाने के कारण उन्होंने घटना को अंजाम दिया।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सोने की बढ़ती डिमांड

शादी-ब्याह के मौसम में सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिल रही है। इस साल सोने के दाम जिस तेजी से बढ़े हैं, यह चिंता की बात है। सोना हमेशा से भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा रहा है। लोग इसे न सिर्फ गहनों के रूप में पहनते हैं, बल्कि निवेश के एक सुरक्षित विकल्प के रूप में भी देखते हैं। सोने की कीमतों का अर्थव्यवस्था पर असर साफ दिखता है। जैसे-जैसे कीमतें बढ़ती हैं, वैसे-वैसे महंगाई बढ़ने की रफ्तार भी तेज होती है। दरअसल, भारत सोने के मामले में पूरी तरह आयात पर निर्भर है। वैश्विक स्तर पर होने वाले भू-राजनैतिक बदलावों का सोने के दाम पर असर होता है। दुनियाभर के केंद्रीय बैंक अपने भंडार में सोने की मात्रा बढ़ा रहे हैं, जिससे मांग बढ़ रही है और कीमतें भी। बढ़ती महंगाई रोकने के लिए सोना जमा करना अच्छा उपाय माना जाता है। लेकिन साथ में कई अन्य उपाय भी करने होते हैं। पारंपरिक निवेश में सोने को सबसे बेहतर और सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जाता है। निवेशकों के मन में सुरक्षा भाव होता है। निवेश के लिहाज से सोने में तेजी का रुख एक निश्चित अंतराल पर बनता रहा है। इस लिहाज से निवेशकों को सोने में तेजी से लाभ कमाने का मौका मिल सकता है। लेकिन जो लोग सोने में निवेश नहीं करते और सिर्फ जरूरत भर के लिए खरीदते हैं, उनके लिए मुश्किल यह है कि महंगा सोना कहां से खरीदें। भारत में एक गरीब व्यक्ति की भी कोशिश होती है कि सोने का छोटा टुकड़ा ही सही, धारण करे। भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सोने का पारंपरिक और भावनात्मक मूल्य है। शादी-ब्याह के मौके पर सोना खरीदने के लिए भीड़ इसीलिए देखी जाती है। लेकिन इसकी कीमत जिस तरह से आसमान छू रही है उससे खरीद तो मुश्किल हो ही गई है, सोने में मिलावट और तस्करी भी बढ़ रही है। यह चिंता की बात है। मांग और कीमत बढ़ने से मिलावटी सोने का बाजार भी बढ़ रही है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अहितकर है। ऐसे में सरकार और तमाम एजेंसियों को कई बिंदुओं पर विचार करने, उपभोक्ताओं के हित में सख्त कदम उठाने और कड़ी निगरानी की जरूरत है।

चारधाम यात्रा प्राधिकरण का गठन प्राथमिकता पर किया जाए : सीएम

देहरादून(उद संवाददाता)। चारधाम यात्रा 2024 के सकुशल सम्पन्न होने के साथ ही प्रदेश सरकार आगामी चारधाम यात्रा की तैयारी में जुट गई है। चार धाम यात्रा को प्रदेश की आर्थिकी का आधार मानते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को यात्रा प्राधिकरण का गठन प्राथमिकता पर करने के साथ ही आगामी यात्रा तैयारियां अभी से शुरू करने के निर्देश दिए है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यात्रा को बढ़ावा देने के साथ ही इसे व्यवस्थित करने के लिए यात्रा प्राधिकरण का गठन प्राथमिकता पर किया जाए, इसके लिए सभी हितधारकों की राय ली जाए। साथ ही बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग की वेबसाइट को और अधिक बेहतर बनाया जाए, ताकि यात्रा से संबंधित सभी जानकारी वेबसाइट पर ही मिल जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा काल में क्षतिग्रस्त मुख्य मार्गों के साथ ही आंतरिक मार्गों को भी प्राथमिकता पर ठीक किया जाए, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों के लिए अलग अलग सचिवों को दायित्व दिए जाने के साथ ही मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हर सप्ताह बैठक करने और कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखण्ड के लिए बेहद महत्वपूर्ण है इसलिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाए।

सीएम धामी ने दिए सौंग बांध पेयजल परियोजना पर विस्थापन की कार्रवाई जल्द शुरू करने के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में बैठक लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि सौंग बांध पेयजल परियोजना पर कार्य शुरू करने के लिए विस्थापन की कार्रवाई जल्द की जाए। जिन प्रभावित परिवारों को विस्थापित किया जाना है, उनकी यथासंभव सहमति के आधार पर शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जाए। जिन परिवारों का विस्थापन किया जायेगा, उनके लिए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। प्रभावित परिवारों से बातचीत कर सहमति के आधार पर सामुदायिक भवन, मंदिर, सड़क एवं अन्य कोई निर्माण करने की आवश्यकता हो तो वह भी किये जाएं। जमरानी बांध परियोजना पर कार्यों में और तेजी लाने के भी मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये। सौंग बांध पेयजल परियोजना से देहरादून शहर की लगभग 11 लाख आबादी को प्रतिदिन 150 एम.एल.डी. पेयजल की आपूर्ति होगी। जिससे भूजल स्तर में भी सुधार होगा। बांध के डाउनस्ट्रीम में स्थित 10 गांवों की लगभग 15 हजार आबादी की बाढ़ से सुरक्षा भी होगी। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री शैलेश बगौली, श्री विनय शंकर पाण्डेय, श्री एस.एन. पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, अपर सचिव श्री रणवीर सिंह चौहान, श्री ललित मोहन रयाल, सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर श्री जयपाल सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में भारत की ऊंची छलांग

पिछले पांच सालों के भीतर प्रस्तुत किए जाने वाले पेटेंट और औद्योगिक डिजाइनिंग फाइलिंग में भारत छलांग मारकर दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है। ज्ञान से हासिल बौद्धिक संपदा को अपने नाम कराने की भारत की यह बड़ी उपलब्धि है। बौद्धिक संपदा का अधिकार मानव-मस्तिष्क द्वारा सृजन को प्रदर्शित करता है। विश्व बौद्धिक संपदा (डब्ल्यू आईपीओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में भारत द्वारा दाखिल किए गए पेटेंट की संख्या 64,480 थी। पेटेंट फाइलिंग में देश की वृद्धि दर 2022 की तुलना में 15.7 प्रतिशत थी। 2023 में दुनिया भी में 35 लाख से अधिक पेटेंट दाखिल किए गए। यह लगातार चौथा वर्ष था जब वैश्विक पेटेंट फाइलिंग में वृद्धि हुई है। 2023 में सबसे ज्यादा 16.40 लाख पेटेंट चीन ने पेश किए। जबकि अमेरिका 5,18,364 ही पेटेंट फाइलिंग करा पाया। इसके बाद जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी और फिर भारत का नंबर हैं। इस पेटेंट फाइलिंग की एक और विशेष बात रही कि सबसे ज्यादा पेटेंट एशियाई देशों द्वारा किए गए। वर्ष 2023 में वैश्विक पेटेंट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिजाइन फाइलिंग में एशिया की हिस्सेदारी क्रमश: 68.7 प्रतिशत, 66.7 प्रतिशत और 69 प्रतिशत रही है। इनमें आविष्कार साहित्यिक और कलात्मक कार्य, डिजाइन, प्रतीक, नाम और वाणिज्य के क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली छवियाँ शामिल हैं। डब्ल्यू आईपीओ की स्थापना संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के रूप में की गई थी। कोई भी व्यक्ति या कंपनी नई दवा का उत्पाद या किसी उपकरण का आविष्कार करते हैं तो उसे अपनी बौद्धिक संपदा बताते हुए पेटेंट करा लेते हैं। मसलन इस उत्पाद और इसे बनाने की विधि (फॉर्मूला) को काई और उनकी इजाजत के बिना उपयोग नहीं कर सकता। पश्चिमी देशों द्वारा अस्तित्व में लाया गया पेटेंट एक ऐसा कानून है, जो व्यक्ति या संस्था को बौद्धिक संपदा का अधिकार देता है। मूल रुप से यह कानून भारत जैसे विकासशील देशों के पारंपरिक ज्ञान को हड़पने की दृष्टि से इजद में लाया गया है। क्योंकि यहां जैव विविधता के अकूत भंडार होने के साथ, उनके नुस्खे मानव व पशुओं के स्वास्थ्य लाभ से भी जुड़े हैं। इन्हीं पारंपरिक नुस्खों का अध्ययन करके उनमें मामूली फेरबदल कर उन्हें एक वैज्ञानिक शब्दावली दे दी जाती है और फिर पेटेंट के जरिये इस बहुसंख्यक ज्ञान को हड़पकर इसके एकाधिकार चंद लोगों के सुपुर्द कर दिए जाते हैं। यही वजह है कि वनस्पतियों से तैयार दवाओं की ब्रिकी करीब तीन हजार बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। हर्बल या आयुर्वेद उत्पाद के नाम पर सबसे ज्यादा दोहन भारत की प्राकृतिक संपदा का हो रहा है। ऐसे ही बेतुके एवं चालाकी भरे दावे और तरकीबें एलोपैथी दवाओं के परिप्रेक्ष्य में पश्चिमी देशों की बहुराष्ट्रीय फार्मा कंपनियां अपना रही हैं। आयुर्वेद और आयुर्वेदिक शिक्षा में पश्चिमी देश इसलिए रोड़ा अटकाते हैं कि कहीं उनका एकाधिकार टूट न जाए ? रामदेव बाबा जब योग और आयुर्वेद में अपनी ज्ञान परंपरा के बूते जब से स्थापित होकर एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की शक्ल में आ गए, तभी से उन पर और उनके उत्पादों पर वैश्विक स्तर पर हमले किए जा रहे हैं। अब तक वनस्पतियों की जो जानकारी वैज्ञानिक हासिल कर पाए हैं, उनकी संख्या लगभग 2 लाख 50 हजार है। इनमें से 50 प्रतिशत उष्णकटिबंधीय वन-प्रांतरों में उपलब्ध हैं। भारत में 81 हजार वनस्पतियां और 47 हजार प्रजातियों के जीव-जंतुओं की पहचान सूचीबद्ध है। अकेले आयुर्वेद में 5 हजार से भी ज्यादा वनस्पतियों का गुण व दोशों के आधार पर मनुष्य जाति के लिये क्या महत्व है, विस्तार से विवरण है। हमारे प्राचीन संस्कृत ग्रंथों में जिन 84 लाख जीव-योनियों का विवरण है, उनमें 10 लाख वनस्पतियां और 52 लाख इतर जीव-योनियां बताई गई हैं। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि इन्हीं योनियों में से असंख्य जीवात्माएं प्रत्येक क्षण जीवन-मरण का क्रम जारी रखे हुए हैं और यही सारे लोक में फैली हुई हैं। ब्रिटिश वैज्ञानिक रॉबर्ट एम ने जीव व वनस्पतियों की दुनिया में कुल 87 लाख प्रजातियां बताई हैं, इनमें जीवाणु व विषाणु शामिल नहीं है। विदेशी दवा कंपनियों की निगाहें इस हरे सोने के भंडार पर टिकी हैं। इसलिए 1970 में अमेरिकी पेटेंट कानून में नए संशोधन किए गए। विश्व बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि 'नया पेटेंट कानून परंपरा में चले आ रहे देशी ज्ञान को महत्व व मान्यता नहीं देता। बल्कि इसके उलट जो जैव व सांस्कृतिक विविधता और उपचार की देशी प्रणालियां प्रचलन में हैं, उन्हें नकारता है।' जबकि इनमें ज्ञान और अनुसंधान अंतर्निहित हैं। ये समाज में इसलिए संज्ञान में हैं, जिससे इन्हें आपस में साझा करके उपयोग में लाया जा सके। साफ है, बड़ी कंपनियां देशी ज्ञान पर एकाधिकार प्राप्त कर समाज को ज्ञान और उसके उपयोग से वंचित करना चाहती हैं। इसी क्रम में सबसे पहले भारतीय पेड़ नीम के औशधीय गुणों का पेटेंट अमेरिका और जापान की कंपनियों ने कराया था। 3 दिसंबर 1985 को अमेरिकी कंपनी विकउड लिमिटेड को पेटेंट संख्या 4,556562 के तहत नीम के कीटनाशक गुणों की मौलिक खोज के पहले दावे के आधार पर बौद्धिक संपदा का अधिकार दिया गया। इसके पहले 7 मई 1985 को जापान की कंपनी तरुमो कारपोरेशन को पेटेंट संख्या 4,515785 के तहत नीम की छाल के तत्वों व उसके लाभ को नई खोज मानकर बौद्धिक स्वत्व दिया गया था। इसके बाद तो पेटेंट का सिलसिला रफ्तार पकड़ता गया। हल्दी, करेला, जामुन, तुलसी, भिंडी, अनार, आमला, रीठा, अर्जुन, हरड़, अश्वगंधा, शरीफा, अदरक, कटहल, अर्जुन, अरंड, सरसों, बासमती चावल, बैंगन और खरबूजा तक पेटेंट की जद में आ गए। सबसे नया पेटेंट भारतीय खरबूजे का हुआ है। इसे पेटेंट संख्या ईपी, 1,962578 देकर इसके एकाधिकार अमेरिकी बीज कंपनी मोनसेंटो को दे दिए गए। मोनसेंटो ने दावा किया था कि उसने बीज तथा पौधे में कुछ आनुवंशिक परिवर्धन किया है, इससे वह हानिकारक जीवाणुओं से प्रतिरोध करने में सक्षम हो गया है। भारतीय वैज्ञानिकों ने इस हरकत को बायो-पायरेसी यानी वनस्पति की लूट-खसोट कहा भूमंडलीय वैश्विक व्यापारियों को अच्छी तरह से पता था कि दुनिया में पाई जाने वाली वनस्पतियों में से 15 हजार ऐसी हैं, जो केवल भारत में पाई जाती हैं। इनमें 60 प्रतिशत औषधि और खाद्य सामग्री के उपयोग की जानकारी आम भारतीय को है। इसलिए हर कोई जानता है कि करेले और जामुन का उपयोग मधुमेह से मुक्ति के उपायों में शामिल है। किंतु इनका पेटेंट के बहाने नया आविष्कार जताकर अमेरिकी कंपनी क्रोमेक रिसर्च ने हासिल कर लिया है। क्या इन्हें मौलिक आविष्कार माना जा सकता है ? इसी तरह केरल में पाई जाने वाली 'वेचूर' नस्ल की गायों के दूध में पाए जाने वाले तत्व 'अल्फा लैक्टालबुमिन' का पेटेंट इंग्लैंड के रोसलिन संस्थान ने करा लिया था। इन गायों में वसा की मात्रा 6.02 से 7.86 प्रतिशत तक पाई जाती है। जो यूरोप में पाई जाने वाले किसी भी गाय की नस्ल में नहीं मिलती। यूरोप में पनीर और मक्खन का बड़ा व्यापार है और भारत दुग्ध उत्पादन में अग्रणी देश है। इसलिए अमेरिका और इंग्लैंड वेचूर गायों का जीन यूरोपीय गायों की नस्ल में प्रत्यारोपित करेंगे और पनीर व मक्खन से करोड़ों डॉलर का मुनाफा बटोरेंगे। इसी तरह भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में बहुतायत पैदा होने वाले बासमती चावल का पेटेंट अमेरिकी कंपनी राइसटेक ने हड़प लिया। यह चावल आहार नलिकाओं को स्वस्थ रखने में औषधीय गुण का काम करता है। हल्दी के औषधीय गुणों व उपचार से देश का हर आदमी परिचित है। इसका उपयोग शरीर में लगी चोट को ठीक करने में परंपरागत ज्ञान के आधार पर किया जाता है। इसमें कैंसर के कीटाणुओं को शरीर में नहीं पनपने देने की भी क्षमता है। मधुमेह और बवासीर के लिए भी हल्दी असरकारी औषधि के रुप में इस्तेमाल होती है। कोरोना काल में वायरस के असर को खत्म करने के लिए करोड़ों लोगों ने इसे दूध में मिलाकर पिया था। इसका भी पेटेंट अमेरिकी कंपनी ने करा लिया था, किंतु इसे चुनौती देकर भारत सरकार खारिज करा चुकी है। अतएव इस परिप्रेक्ष्य में यह खुशी और गर्व की बात है कि भारत पेटेंट फाइलिंग की दिशा में आगे ब्रढ़ रहा है। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा के बूते हमने दो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विरुद्ध पेटेंट की लड़ाई जीती है। पहली लड़ाई 'कुल्ला' करने के पारंपरिक तरीकों को हथियाने के परिप्रेक्ष्य में कोलगेट पामोलिव से जाती, तो दूसरी आयोडीन युक्त नमक उत्पादन को लेकर, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड से जीती। इन दोनों ही मामलों में विदेशी कंपनियों ने भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से उत्पादन की पद्धति व प्रयोग के तरीके चुरा लिए थे। भारत की वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद् ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान के डिजीटल पुस्तकालय से तथ्यपरक उदाहरण व संदर्भ खोजकर आधुनिक विज्ञान के सिद्धांतों के क्रम में यह लड़ाई लड़ी और जीती। इस कानूनी कामयाबी से साबित हुआ है कि भारत की पारंपरिकता सदियों से भविष्य दृष्टा रही है। प्राकृतिक संपदा के उपयोग और उपभोग को लेकर हजारों वर्ष पूर्व ही हमारे मनीशियों ने आचार संहिता निर्मित कर दी थी। क्योंकि इसके दीर्घकाल तक सुरक्षित रहने में ही प्राणी जगत की शाश्वतता और मनुष्य की आर्थिक समृद्धि का मूल-मंत्र छिपा था। जावित्री से कुल्ला करने और आयोडीन युक्त नमक बनाने की पद्धतियों को विदेशी कंपनियों द्वारा हड़पने की मंशा को,पारंपरिक ज्ञान से चुनौती देने की कानूनी प्रक्रिया ने यह तय कर दिया है कि हमारी ज्यादातर ज्ञान प्रणालियां विज्ञान की कसौटी पर खरी हैं। महात्मा गांधी भारत की परंपरागत अर्थव्यस्था और स्थानीयता के धरातल पर रोजगार मूलक शिक्षा पद्धति के पक्षधर थे। लेकिन गांधी की इस सोच को स्वंतत्रता के प्रारंभिक नेहरू युग में ही बाहिष्कृत कर दिया गया। पेटेंट संबंधी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अदालतों में अपने साक्ष्य की मजबूती के लिए प्रस्तुत की गईं ज्ञान प्रणालियों से अब साबित हो रहा है कि स्वदेशी प्रौद्योगिकी कितनी महत्वपूर्ण हैं ? भारतीय औद्योगिक अनुसंधान परिषद जीत हासिल करने के बाद इस प्राचीन भारतीय समृद्धि और समरसता के मूल में प्राकृतिक संपदा, कृषि और गोवंश थे। आर्थिक संसाधनों को समृद्ध बनाने के लिए ऋषि-मनीषियों ने नए-नए प्रयोग किए। कृषि फसलों के विविध उत्पादनों से जुड़ी। फलत: अनाज, दलहन, चावल ,तेलीय फसलें और मसालों की हजारों किस्में प्राकृतिक रूप से फली-फूलीं। 167 फसलों,350 फल प्रजातियों की पहचान की गई। 89 हजार जीव-जंतुओं और 47 हजार प्रकार की वनस्पतियों की खोज हुई। मनीषियों ने प्रकृति और जैव-विविधता के उत्पादन तंत्र की विकास संरचना और प्राणी जगत के लिए उपयोगिता की वैज्ञानिक समझ हासिल की। इनकी महत्ता और उपस्थिति दीर्घकालिक बनी रहे, इसलिए धर्म व अध्यात्म के बहाने अलौकिक तादात्म्य स्थापित कर इनके, भोग के लिए उपभोग पर व्यावहारिक अंकुश लगाया। दूरदृष्टा मनीषियों ने हजारों साल पहले ही अनुभवजन्य ज्ञान से जान लिया था कि प्राकृतिक संपदा का कोई विकल्प नहीं है। वैज्ञानिक तकनीक से हम इनका रूपांतरण तो कर सकते हैं, किंतु किसी भी तत्व को तकनीक आधारित ज्ञान के बूते प्राकृतिक स्वरूप में पुनर्जीवित नहीं कर सकते ? इसीलिए नरेंद्र मोदी सरकार लगातार ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा पर जोर दे रही है।

-प्रमोद भार्गव,लेखक, वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं।

86वीं जयंती पर मुलायम सिंह को किया नमन

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, देश के पूर्व रक्षा मंत्री व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की 86 वीं जयन्ती पर उत्तराखाण्ड सपा प्रभारी हाजी अब्दुल मतीन सिद्दीकी के कार्यालय कार्यकर्ता एकत्र हुए। सर्वप्रथम अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने कार्यकर्ताओं के साथ मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए अब्दुल मतीन सिद्दीकी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव जैसा नेता सदियों में एक-आद ही पैदा होता है।उन्होंने कहा मुलायम सिंह यादव को जीवन में जितनी उपाधि मिली है। आज तक किसी भी जनप्रतिनिधि या नेता को नहीं मिली है।उनकी मुख्य उपाधि नेता जी ही थी।सुभाष चन्द्र बोस के बाद नेता जी की उपाधि सिर्फ मुलायम सिंह यादव को ही मिली है।सिद्दीकी ने कहा मुलायम सिंह उत्तराखण्ड के सबसे बड़े हितेषी थे। उन्होंने अपने मुख्यमंत्री काल में पिथौरागढ़ हवाई पट्टी पर्वतीय क्षेत्रों के दुर्गम इलाकों में पाठशालाओं के साथ-साथ पीने के

पानी के लिए जगह- जगह हैंड पम्पों का निर्माण व पर्वतीय इलाको की समस्याओं को देखते हुए अपनी सरकार में अलग से पर्वतीय विकास मंत्रालय का गठन करने के साथ-साथ उत्तराखण्ड की भौगोलिक व आर्थिक एवं बेरोजगारी की समस्याओं को देखते हुए अलग उत्तराखण्ड राज्य बनाने के लिए कोशिक समिति व बर्थवाल समिति का गठन करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों से अलग उत्तराखण्ड राज्य बनाने का प्रस्ताव पास करा कर केन्द्र सरकार को भेजा था। साथ ही रक्षा मंत्री रहते हुए उन्होंने हमेशा सेना का तो मनोबल बढ़ाया साथ ही शहीद सैनिको के शवों को सम्मान से उनके घर भिजवाने के साथ-साथ राजकीय सम्मान से उनका अंतिम संस्कार व उनके परिवार की जीविका व बच्चों की पड़ाई आदि की भी पूरी व्यवस्था की थी। श्री सिद्दीकी ने कहा कि मुलायम सिंह किसानों, व्यापारियों ,छात्रों, कर्मचारियों, दलितों , पिछड़ों,व अल्पसंख्यकों के सबसे बड़े हितेषी थे। आज अखिलेश यादव उनके कार्यों को पूरी ईमानदारी के साथ आगे लेकर चल रहे हैं। आज समाजवादी पार्टी देश की तीसरे नम्बर की बड़ी पार्टी बन गई है। विचार गोष्ठी में मुख्य रूप से अर्जुन राठौर,जावेद मिकरानी,अलीम अंसारी, उमैर मतीन,रेहान मलिक,संजय गुप्ता, आसिम सिद्दीकघी,नासिर हुसैन, अनवर हुसैन, जाहिद खान,दीपक अग्रवाल, सरताज अंसारी,एडवोकेट जावेद अहमद, जिकरेइलाही ,रेहान कुरैशी,मेराज खान ,फरहत सिद्दीकी, नाजिम सलमानी, अथर खान,मोहम्मद अनस, मोहम्मद अरशद्,अजहर मलिक,नूरी खघन,शाहिद खान सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। आगामी 14 दिसम्बर को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जानकारी देते हुये सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ऊधम सिंह नगर द्वारा जनपद में 14 दिसम्बर को प्रात: 10 बजे से सांय 05 बजे तक रूद्रपुर सहित वाह्य स्थित दीवानी न्यायालयों काशीपुर, खटीमा, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज एवं किच्छा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेन्द्र कुमार सागर ने बताया कि 14 दिसम्बर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटीगेशन के वादों का निस्तारण किया जाएगा जैसे- फौजदारी के शमनीय मामले, विद्युत एवं जलकर बिलों के मामले, धारा 138 एनआई एक्ट के मामले, धन वसूली से सम्बन्धि तमामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, आईपीआर मामले, उपभोक्ता मामले, किसी अर्ध-न्यायिक प्राधिकरण के समक्ष लंबित अन्य मामले, वैवाहिक/कुटुम्ब न्यायालयों के मामले, श्रम सम्बन्धि तमामले, भूमि अर्जन के मामले, दीवानी वाद, राजस्व और अन्य सहायक मामले, वेतन भत्तों एवं सेवानिवृत्ति से सम्बन्धि तमामले, मोटर वाहन अधिनियम के तहत शमनीय यातायात चालान, अन्य ऐसे मामले जो सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सके का निस्तारण किया जाएगा। उन्होने अपील करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति अपने वादों/मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण करवाना चाहते हैं वे सम्बन्धित न्यायालय में किसी भी कार्यदिवस में 13 दिसम्बर तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर अपने वादों को नियत करवाकर इस अवसर का लाभ उठाये।

राष्ट्रीय खेलों के लिए जल्द सभी डीओसी नियुक्त किए जाएं

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में होने जा रहीं 34 प्रतिस्पर्धाओं में 11 खेलों के डायरेक्टर ऑफ कंपटीशन (डीओसी) अभी तक नियुक्त नहीं हुए हैं, जिससे भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बृहस्पतिवार को सभी नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन (एनएसएफ) को निर्देश जारी करने पड़े कि जल्द सभी डीओसी नियुक्त किए जाएं। सभी डीओसी को सबसे पहले खेल स्थानों का दौरा करने को भी निर्देशित किया गया है। इसकी रिपोर्ट आईओए के सामने दाखिल करने के लिए 30 नवंबर की समय-सीमा निर्धारित कर दी है। इसके बाद सभी डीओसी दिसंबर के पहले सप्ताह में आईओए के साथ बैठक में भी शामिल होंगे। इससे खेलों की तैयारियों से जुड़ी एक और बाधा पार हो गई है। प्रदेश में राष्ट्रीय खेलों की तारीख 28 जनवरी से 14 फरवरी तय करने के बाद अभी तक कई खेलों के डीओसी नियुक्त नहीं होना चिंता का सबब बना था। डीओसी की नियुक्ति संबंधित खेल की नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन करती है। सूत्रों के मुताबिक, डीओसी की नियुक्ति में देरी को लेकर उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन की ओर से आईओए को अवगत कराया गया। आईओए ने संज्ञान लेकर तीरंदाजी, एक्वेटिक्स, ट्रायथलॉन, टेबल टेनिस, मुक्केबाजी आदि खेलों की फेडरेशन को निर्देश दिए कि अपने-अपने खेल आयोजन के सुचारू समन्वय को तत्काल डीओसी नियुक्त करें। डीओसी खेल स्थल का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट में खिलाड़ियों की संख्या, अफसरों की संख्या, उपकरणों की सूची, चिकित्सा जरूरतें व अन्य तैयारियों पर 30 नवंबर तक रिपोर्ट दाखिल करेंगे। 24 नवंबर को नई दिल्ली में आईओए के साथ गेम्स टेक्निकल कंडक्ट कमेटी की प्रस्तावित बैठक में उत्तराखंड दौरे की रिपोर्ट दाखिल की जाएगी।, जिसमें चर्चा के लिए उत्तराकंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डीके सिंह को भी बुलाया गया है।

देश के 552 आयुर्वेदिक कॉलेजों में पतंजलि टॉप-20 में हुआ शामिल

हरिद्वार(उद संवाददाता)। पतंजलि योगपीठ योग और आयुर्वेद की पुनर्स्थापना के लिए विश्वविख्यात है। इसी कड़ी में एनसीआईएसएम की ओर से जारी रेटिंग सूची में भी इस संस्थान ने मुकाम हासिल किया। देशभर के 552 कॉलेजों में जहां इस संस्थान ने टॉप 20 में जगह बनाया, वहीं राज्य में ए ग्रेड प्राप्त करने वाला एकमात्र संस्थान घोषित किया गया। बृहस्पतिवार को जारी बयान में संस्थान के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुष शिक्षा के क्षेत्र में पतंजलि बड़ा कार्य कर रहा है। हाल ही में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने पूरे देश के आयुर्वेद कॉलेजों की रेटिंग के आंकड़े जारी कर इसको प्रमाणित भी कर दिया है। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने देश में आयुर्वेद कॉलेजों के स्तर तथा आयुर्वेद के उत्थान के लिए पतंजलि के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में जितने भी आयुर्वेद के शिक्षण संस्थान हैं उनमें पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय का टॉप-20 में होना हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने आयुर्वेद को लेकर पतंजलि के प्रयासों की सराहना की। कहा कि आयुर्वेद के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्प व इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। आयुर्वेद को तथ्यों व प्रमाणों के आधार पर प्रस्तुत कर हम आयुर्वेद को पुन: गौरवान्वित कर सकते हैं। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि एनसीआईएसएम ने आयुष कॉलेजों का मूल्यांकन अलग-अलग मापदंडों के आधार पर किया है, जिसमें शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ पुस्तकालय, संकाय व चिकित्सकों की संख्या, रोगियों की संख्या, संस्थान में उपलब्ध संसाधन तथा अनुसंधान के लिए पर्याप्त सुविधाएं, हर्बल गार्डन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि आयुर्वेद को बढ़ाने और उसे प्रामाणिक चिकित्सा पद्धति का दर्जा दिलाने के लिए हम हर सम्भव प्रयास करेंगे।

182 साल बाद बदला नाम: अब अटल उद्यान के नाम से जाना जायेगा मसूरी का कंपनी गार्डन

मसूरी(उद संवाददाता)। पहाड़ों की रानी मसूरी का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कंपनी गार्डन अब अटल उद्यान के नाम से जाना जाएगा। बृहस्पतिवार को कृषि मंत्री गणेश जोशी और शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने नए नाम का उद्घाटन किया। इस दौरान अटल उद्यान में पहुंचे सैकड़ों पर्यटकों ने पार्क का अंग्रेजी नाम बदलने पर खुशी जतायी। अंग्रेजों का दिए नाम कंपनी गार्डन को 182 साल बाद बदल दिया गया है। अटल उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यह बड़े गौरव का पल है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अलग उत्तराखंड राज्य का निर्माण किया था और उनको मसूरी से विशेष लगाव भी रहा। उन्होंने कहा कि गुलामी के प्रतीक कंपनी गार्डन को अब अटल उद्यान के नाम से जाना जाएगा। कहा कि शीघ्र ही यहां अटल बिहारी वाजपेयी की विशाल प्रतिमा लगाई जाएगी। कहा कि केदारनाथ चुनाव में भाजपा की जीत तय है। कहा कि एमपीजी कॉलेज और टाउन हॉल के नाम बदलने की कार्रवाई भी शीघ्र की जाएगी। इतिहासकार जयप्रकाश उत्तराखंडी ने बताया कि अंग्रेजों के शासनकाल में डॉ. एच फाकनर ने 1842 में कंपनी गार्डन की स्थापना की थी। इसे पहले म्युनिसिपल गार्डन कहा जाता था। इसके बाद कंपनी गार्डन नाम दिया गया।

भिकियासैंण की टीम ने मारी बाजी

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)।प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी अल्मोड़ा सोनू कुमार ने बताया कि खेल महाकुम्भ-2024 के अन्तर्गत जनपद स्तरीय आयु वर्ग अन्डर-14 बालिका वर्ग की कबड्डी, बालीवाल व खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन खेल मैदान हवालबाग में किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में आयु वर्ग अन्डर-14 बालिका कबड्डी में सल्ट प्रथम, भिकियासैंण द्वितीय व धौलादेवी तृतीय स्थान पर रहा। बालीवाल में भिकियासैंण प्रथम, द्वाराहाट

द्वितीय व भैंसियाछाना तृतीय स्थान पर रहे तथा खो-खो प्रतियोगिता में भैंसियाछाना प्रथम, स्याल्दे द्वितीय व ताकुला तृतीय स्थान पर रहा। उक्त प्रतियोगिताओं में शिक्षा विभाग से धर्नसिंह धोनी, शिवदत्त पांडे, गोविन्दसिंह, पूनम बिष्ट, तुलसी बिष्ट, लता वर्मा, लता वर्मा, महेन्द्रसिंह भैसोड़ा, शोबनसिंह कनवाल एवं कुन्दनसिंह कनवाल तथा युवा कल्याण एवं प्रारद विभाग से क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रारद अधिकारी अशोक कुमार, विभिन्न विकासखण्डों के पी0आर0डी0 स्वयंसेवक तथा चिकित्सा विभाग एवं खेल विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला समूहों ने आउटलेट्स से की 91.75 लाख की बिक्री

देहरादून(उद संवाददाता)। चारधाम यात्रा और पर्यटन गतिविधियां मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य की महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बन रही हैं। इस वित्तीय वर्ष में अक्तूबर माह तक महिला स्वयं सहायता समूहों ने यात्रा मार्ग और प्रमुख पर्यटन केंद्रों पर खुले यात्रा आउटलेट्स के माध्यम से 91.75 लाख की बिक्री करते हुए, 29.7 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। ग्राम्य विकास विभाग के अधीन संचालित उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को उत्तराखण्ड की समृद्ध परंपरा और संस्कृति से परिचित कराने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की आर्थिकी में सुधार के लिए प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर 110 श्यात्रा आउटलेट्सश स्थापित किए गए हैं। जो स्थानीय ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों

को बाजार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । सचिव ग्राम्य विकास राधिका झा के मुताबिक, यात्रा आउटलेट्स पर हस्तनिर्मित ऊनी वस्त्र, पहाड़ी मसाले, जैविक अचार, स्मृति चिन्ह, मिलेट-आधारित खाद्य पदार्थ बिक्री के लिए उपलब्ध रहते हैं। श्यात्रा आउटलेट्सश न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में कारगर साबित हुए हैं, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को प्रचारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए राज्य के 13 जनपदों के 95 विकास खंडों में 67,172 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का गठन किया गया है, जिनसे लगभग 5 लाख ग्रामीण महिलाओं को जोड़ा गया है। राज्य सरकार द्वारा यात्रा आउटलेट्स, सरस केंद्र, और ग्रोथ सेंटर के जरिए इन समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए सहायता प्रदान करती है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से महिला समूहों द्वारा राज्य में 8 मिलेट बेकरी इकाइयाँ स्थापित की गई हैं।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी राज्य में आने वाले पर्यटकों से अपने घूमने के खर्च का पांच प्रतिशत स्थानीय उत्पाद खरीदने पर खर्च करने की अपील की है। निसंदेह इससे आने वाले समय में महिला समूहों की आय में बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का स्पष्ट मत है कि ग्रामीण महिलाओं की आर्थिकी को मजबूत बनाकर ही राज्य तरक्की के पथ पर आगे बढ़ सकता है। इसलिए महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद को बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है, सरकार समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए लखपति दीदी योजना भी चला रही है।

पेज एक का शेष...

प्रामरी टीचर्स एसो...नयाल व सोनी यादव के मध्य सीधा मुकाबला है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मो. आरिफ, बाबू मजूमदार व हरपाल सिंह के मध्य, उपाध्यक्ष सामान्य के चार पदों के लिए गायत्री पांडेय, जीवन सिंह नेगी, खुर्शीद जहां, मणिकेश्वर सिंह, पंकज कुमार मिगलानी, प्रदीप शर्मा, संजय पाण्डेय व सुमन दुम्का के मध्य,उप मंत्री के दो पदों के लिए अभिषेक चौहान, अर्चना रानी व तपनशील के मध्य, लेखाकार के एक पद के लिए नीरज भारद्वाज व राजेन्द्र प्रसाद के मध्य, मंत्री के एक पद के लिए कमल भाटिया, मीना जोशी व नवीन चन्द्र पाण्डेय के मध्य, कोषाध्यक्ष के एक पद के लिए तरूण कालरा व निमिषा के मध्य मुकाबला हो रहा है। कुल 21 पदों में से सात प्रत्याक्षी निर्विरोध चुने गये। मतदान को लेकर शिक्षक मतदाताओं में भारी उत्साह दिखाई दिया। सभी प्रत्याक्षी चुनाव प्रचार में जुटे दिखाई दिये।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

उधमसिंह नगर जिले में अधिकतर सूदखोरी कारोबार अवैध

जिले के केवल दस व्यक्ति ही साहूकारी अधिनियम में साहूकारी कारोबार करने के हकदार

काशीपुर(उद संवाददाता)। सूदखोरो द्वारा आम गरीब लोगों के शोषण की खबरे सामने आती रहती हैं। जिसमें अधिकतर ऐसे सूदखोर शामिल है जो लोगों को रूपया उधार देने का कारोबार (साहूकारी कारोबार) करने के हकदार ही नहीं हैं। ऐसा करना न केवल अवैध है बल्कि साहूकारी अधिनियम के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध भी है। उधमसिंह नगर जिले में केवल 10 साहूकार ही रजिस्टर्ड है जो साहूकारी कार्य को नियमों के अन्तर्गत रहते हुये करने के हकदार हैं।काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने शासन के वित्त विभाग से सूदखोरी कारोबार संबंधी नियम कानूनों तथा जिलाधिकारी उधमसिंह नगर कार्यालय से सूदखोरी के रजिस्ट्रेशन सम्बन्धी सूचना चाही थी। इसके उत्तर में उत्तराखंड शासन के लोक सूचना अधिकारी/अनुभाग अधिकारी मनोज कुमार सिंह तथा जिलाधिकारी उधमसिंह नगर कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी/मुख्य प्रशासनिक अधिकारी गणेश चन्द्र आर्य ने सूचना उपलब्ध करायी है।श्री नदीम को उपलब्ध उ0प्र0 साहूकारी विनियमन अधिनियम 1976 के अनुसार साहूकारी कारोबार करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को रजिस्ट्रेशन कराना तथा समय-समय पर उसका नवीनीकरण कराना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त उधार दिये गये पैसों के सम्बन्ध में रिकॉर्ड रखना तथा इसका रिटर्न रजिस्ट्रार को प्रस्तुत करना भी अनिवार्य हैं।जिलाधिकारी कार्यालय के लोक सूचना अधिकारी द्वारा उपलब्ध करायी गयी साहूकारों की पंजिका के अनुसार जिले में केवल दस साहूकार (सूद खोर) ही रजिस्टर्ड है। इसमें जसपुर तहसील क्षेत्र में कारोबार करने वाले 2, काशीपुर तहसील क्षेत्र में

कारोबार करने वाले 1, रूद्रपुर तहसील क्षेत्र में कारोबार करने वाले 2, गदरपुर तहसील क्षेत्र में कारोबार करने वाले 1, किच्छा तहसील में कारोबार करने वाले 2 तथा सितारगंज तहसील में कार्य करने वाले 1 तथा खटीमा तहसील में कार्यरत 1 साहूकार ही शामिल है।श्री नदीम को शासन द्वारा उपलब्ध करायी गयी साहूकारी अधिनियम की प्रति के अनुसार इसके साहूकारों की मनमानी व शोषण पर प्रभावी रोक लगाने के प्रावधान शामिल हैं। इसके अध्याय 4 (धारा 10 से 14 तक) साहूकार के कर्तव्य और दायित्व का उल्लेख हैं। इसमें बिना मान्य रजिस्ट्रेशन कारोबार न करना, अमानतों के सम्बन्ध में नकद परिसम्पत्तियां रखना, निर्धारित ब्याज दर से अधिक ब्याज न वसूलना, पूर्ण व सही हिसाब रखना, एक हजार रूपये से अधिक का प्रत्येक उधार चौक द्वारा दिया जाना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त धारा 14 में चौक से न दिया गया एक हजार रूपये से अधिक के उधार के संव्यवहार को शून्य मानने तथा धारा 18 में बिना रजिस्ट्रेशन के साहूकारी कारोबार करने पर ऐसे उधार के लिये न्यायालय में मुकदमा दायर करने पर भी रोक लगायी गयी है। अधिनियम की धारा 22 में बिना रजिस्ट्रेशन कारोबार करने तथा अमानत के सम्बन्ध में नकद परिसम्पत्तियां न रखने तथा धारा 23 में कर्जदार को उत्पीड़ित करने के लिये सजा का प्रावधान भी किया गया है।श्री नदीम को उपलब्ध करायी गयी उत्तराखंड साहूकारी विनियम नियमावली 2018 के नियम 12 के अनुसार साहूकार को अपने रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र का प्रदर्शन कारोबार के मुख्य स्थान पर करना आवश्यक है। नियम 13 में साहूकार द्वारा लेखा पुस्तकों का रख रखाव तथा कर्जदार द्वारा मांगने पर दस्तावेज व खातों के विवरणों की प्रति रू. 2 प्रति पृष्ठ की दर से शुल्क लेकर मांगे जाने के 7 दिन के अंदर भेजी जाना जो डाक द्वारा भी भेजी जा सकती है का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त रजिस्ट्रार को भी विवरणी (रिटर्न) भेजने को प्रत्येक साहूकार बाध्य हैं। नियम 21 के अनुसार रजिस्ट्रार या उपरजिस्ट्रार द्वारा साहूकारी के संबंधित लेखों और अन्य अभिलेखों का निरीक्षण किया जा सकता है।

ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन का हुआ असर

स्टोन क्रेशर संचालक करेंगे सड़क की मरम्मत

किच्छा(उद संवाददाता)। नगला लालपुर लिंक मार्ग के निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगाए गए जाम व धरना प्रदर्शन का असर स्टोन क्रेशर एवं प्रशासन पर हो गया है जिसके फलस्वरुप नगला लालपुर लिंक मार्ग के दोनों और स्थापित स्टोन क्रशरों के स्वामियों द्वारा सड़क की मरम्मत एवं देखभाल करने का समझौता ग्रामीण एवं प्रशासन की उपस्थिति में हो गया। तय किया गया कि स्टोन क्रेशर संचालक सड़क पर हुए सभी गढ्डों को भर करके उसके ऊपर पानी का छिड़काव करेंगे तथा समय-समय पर समतलीकरण हेतु रोड रोलर का भी इस्तेमाल करेंगे। उल्लेखनीय है कि विगत कई वर्षों से नगला लालपुर लिंक मार्ग की मरम्मत को लेकर के आनंदपुर, राघव नगर, नारायणपुर, रामेश्वरपुर सहित तमाम क्षेत्र के ग्रामीण आंदोलन कर रहे थे। विगत वर्ष विधायक तिलक राज बेहड़ ने भी लिंक मार्ग के निर्माण हेतु धरना प्रदर्शन कर जाम लगाया था किंतु कोरे आश्वासनों के बीच सड़क निर्माण नहीं हो पाया। बीते दिवस बृहस्पतिवार को क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा पुनः मार्ग पर जाम लगाकर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसे

विधायक तिलकराज बेहड़ ने भी अपना समर्थन दिया था।धरना प्रदर्शन के दौरान उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा स्वयं वार्ता के लिए धरना स्थल पर पहुंचे जहां पर ग्रामीणों की जायज मांग का समर्थन करते हुए सभी स्टोन क्रशर संचालकों से वार्ता की गई जिस पर यह निर्णय लिया गया कि जब तक लोक निर्माण विभाग या डीबीटी द्वारा सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं किया जाता है तब तक सड़क का रखरखाव स्टोन क्रशर संचालकों द्वारा किया जाएगा। बृहस्पतिवार शाम को स्टोन क्रशर संचालकों एवं उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र तथा क्षेत्र के ग्रामीण ग्रामीण के द्वारा संयुक्त बैठक कर तय किया गया कि ओवर लोडिंग क्षतिग्रस्त सड़क नैनीताल स्टोन क्रेशर से आनन्दपुर गेट तक नैनीताल स्टोन क्रेशर, शुभम स्टोन क्रैशर, तराई स्टोन क्रेशर, गुरुनानक स्टोन क्रेशर, गोला स्टोन क्रेशर द्वारा जब तक लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जाता, रोड के रख-रखाव, सड़क को समतल बनाये रखने,सड़क पर हर रोज पानी का छिड़काव, सड़क पर रेता-बजरी की ओवर लोडेड गाड़ियों, सड़क पर हो रहे गढ्डों मे रेता- बजरी डालने की जिम्मेदारी स्टोन क्रशर मालिकों की होगी। जबकि सड़क की मरम्मत की देख-रेख उप-जिधाकारी द्वारा की जायेगी। इस अवसर पर समस्त स्टोन क्रेशर स्वामियों के अलावा उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्र के साथ ग्रामीण निशान्त शाही,दिनेश सिंह,राजेश्वर सिंह,राजेश प्रताप सिंह ,हरेन्द्र कुमार,अमर यादव,राम कुशवाहा, आनन्द सिंह,अननद शाह ,नारायण अक्षय सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

व्यापारियों की याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

नैनीताल(उद संवाददाता)। हाई कोर्ट ने हल्द्वानी शहर में मंगलपड़ाव से रोडवेज बस स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण व सुंदरीकरण की जद में आ रहे व्यापारियों की याचिकाओं पर सुनवाई की। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी व न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ ने पूर्व में पारित अतिक्रमण हटाने के आदेश को बरकरार रखा है। साथ ही सरकार व नगर निगम से यह बताने को कहा है कि सड़क चौड़ीकरण के मानक क्या हैं और मानकों का पालन किया गया या नहीं? अगली सुनवाई दो दिसंबर को होगी। हल्द्वानी में मंगलपड़ाव से लेकर रोडवेज स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे 17 भवन स्वामियों व व्यवसायियों ने अलग-अलग याचिका दायर कर

कहा है कि नगर निगम व लोक निर्माण विभाग ने उन्हें नोटिस जारी कर चार अगस्त तक चिह्नित अतिक्रमण को स्वयं हटाने को कहा था। 20 अगस्त को हाई कोर्ट ने जनहित याचिका को निस्तारित करते हुए कहा था कि अगर किसी अतिक्रमणकारी का हित प्रभावित होता है तो वह उचित फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करें, लेकिन शिकायत करने पर उनका पक्ष सही तरीके से सुना नहीं गया। वे नगर निगम को 40-50 साल से किराया देते आए हैं। यह दुकानें नगर निगम ने स्वयं व्यवसाय करने के लिए उन्हें आवंटित की थी। पूर्व में हल्द्वानी की नया सवेरा सोसाइटी ने इस मामले में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे अतिक्रमणकारियों को हटाया जाए। अतिक्रमण के कारण आए दिन यहां पर जाम लगता है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

विजिलेंस ने दस हजार की रिश्वत लेते सहायक परिवहन निरीक्षक को पकड़ा

रूड़की। विजिलेंस की टीम ने 10 हजार की रिश्वत लेते सहायक परिवहन निरीक्षक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की टीम फिलहाल आरोपी के आवास और अन्य स्थानों पर चल-अचल सम्पत्ति के बारे में जानकारी जुटा रही है। बता दें शिकायतकर्ता ने विजिलेंस को इसकी शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसके भूसे के ट्रक पंजाब से रुडकी आते हैं. जिस पर परिवहन विभाग, रूडकी हरिद्वार में नियुक्त परिवहन सहायक निरीक्षक नीरज ने उससे प्रति ट्रक अवैध रुप से 2500 रुपए हर महीने के हिसाब से 10 हजार की रिश्वत मांगी है। शिकायत पर विजिलेंस की टीम ने ट्रैप टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए गुरुवार को रुड़की के सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय में नियुक्त सहायक परिवहन निरीक्षक नीरज को 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है। विजिलेंस की टीम ने आरोपी के आवास की तलाशी ली।

पब्लिक हैल्प सोसाइटी ने तिरंगा लगाने के लिए सौंपा ज्ञापन

गदरपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र में लंबे समय से जनहित में कार्य कर रही पब्लिक हैल्प सोसाइटी ने अब नगर में विशाल तिरंगा ध्वज की मांग उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर करी है। पब्लिक हैल्प सोसायटी के अध्यक्ष मोहित अरोड़ा चौरी का कहना है जिला उधम सिंह नगर में विशाल तिरंगा स्थापित करने के संदर्भ में ज्ञापन कोपा गया है जैसा कि सभी लोग जानते हैं जिला उधम सिंह नगर के प्रत्येक शहर में विशाल स्थापित कर जिले की शोभा को बढ़ाया गया है ऐसे ही हमारा शहर गदरपुर भी इस श्रेणी में आना चाहिए और गदरपुर में विशाल तिरंगा झंडा लगाकर गदरपुर की आन बान शान को बढ़ाया जाना चाहिए।उन्होंने मौखिक रूप में नगर की कुछ चुनिंदा जगहों के विषय मे भी उपजिलाधिकारी से वार्ता कर तिरंगा ध्वज लगाए जाने की मांग को उठाया है।इस दौरान पब्लिक हैल्प सोसाइटी अध्यक्ष मोहित अरोरा चौरी,सोनम अरोरा,वंश अनेजा,पवन परुथी, दीपक अरोरा,सुरभि अनेजा सहित आदि लोग मौजूद रहे।